आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, बुधवार
23 अप्रैल 2025
वर्षः 38, अंकः 143
पृष्ठः 12, मूल्यः 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

शिक्षकों से ममता बनर्जी की अपील, काम पर लौटें, दागी और बेदाग लोगों की सूची सरकार पर छोड़ दें

झारखंड

झारखंड में सरकार के प्रबल प्रयास से महिलाएं हो रही है सबल: शिल्पी नेहा तिर्की

हज़ारीबाग

झील में डूबे युवक आलेख गौरव के परिजनों के साथ संकट की घड़ी में खड़े रहे सदर विधायक प्रदीप प्रसाद

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला, 27 लोगों की मौत, कई घायल, NIA करेगी जांच

दिल्ली ब्यूरो

मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में 27 लोगों की जान चली गई। 20 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों में पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में 4 आतंकी शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुँच गए हैं। वहीं इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। पीड़ितों के लिए न्याय की माँग भी की।

पहलगाम के बैसरन इलाके में सेना की वर्दी पहने आतंकियों ने पर्यटकों के समूह को अपना निशाना बनाया। 22 अप्रैल को करोब दोपहर 2ः30 बजे उनपर ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए पहलगाम अस्पताल ले जाया गया। वहीं हालत गंभीर होने के कारण कुछ को श्रीनगर भेजा गया है। इस हमले के बाद LoC अलर्ट है। हमलावरों की तलाश के लिए इलाके की घेराबंदी की गई है। केंद्र सरकार भी एक्शन में है। NIA को घटना की जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- 'आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा'

घायलों ने बताया कि आतंकवादी सेना की वर्दी में थे। जिससे वे हमले का अनुमान नहीं लगा पाएं। लेकिन अचानक से आतंकियों ने सैलानियों पर फायरिंग शुरू कर दी। लोगों से नाम और धर्म पूछा। हिन्दू नाम सुनते ही गोली मार दी।

पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के टीआरएफ ने ली है, जिसकी फंडिंग पाकिस्तान से होती है। इसका मास्टरमाइंड सज्जाद गुल है। आतंकी संगठन ने इस हमले के बाद एक पत्र जारी किया है। जिसमें दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों को नहीं बाहरी लोगों को डोमेसाइल दिया गया है, जो डेमोग्राफी बिगाड़ने की कोशिश है। इस तरह का हमला बाहरी लोगों को गैर-कानूनी तरीके से बसाने का परिणाम है।

बिहार-झारखंड के 15 ठिकानों पर ईडी का छापा, जानें किस स्कैम में एक्शन में है प्रवर्तन निदेशालय

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। बोकारो के एक बड़े जमीन घोटाले की जांच में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार की सुबह बिहार और झारखंड में 15 जगहों पर छापे मारे गए। यह छापेमारी मनी लांड्रिंग के मामले में की जा रही है। शक है कि वन विभाग की जमीन को गलत तरीके से आवंटित किया गया था। सबसे अधिक छापे कंस्ट्रक्शन कंपनियों और उनके मालिकों से जुड़े ठिकानों पर हुए हैं। इनमें विमल अग्रवाल और पुनीत अग्रवाल की कंपनी राजवीर कंस्ट्रक्शन भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम रांची के लालपुर, बरियातू और हटिया जैसे इलाकों में भी तलाशी कर रही है। यह मामला बोकारो में वन विभाग की ज़मीन के घोटाले से जुड़ा है। इस मामले की जांच झारखंड पुलिस की सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) भी कर रही है। बता दें कि यह घोटाला 2022 में सामने आया था। आरोप है कि कुछ सरकारी अधिकारियों ने एक कंपनी को वन विभाग की 74.38 एकड़ जमीन दे दी थी। 2025 में बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त से इसकी शिकायत की थी।

रजनीश कुमार ने बताया था कि बोकारो के कुछ अधिकारियों ने 2022 में महेंद्र मिश्रा की 10 डिसमिल जमीन के कागजात में फर्जीवाड़ा किया। उन्होंने महेंद्र मिश्रा के फर्जी हस्ताक्षर करके जमीन को 74.38 एकड़ कर दिया। जब महेंद्र मिश्रा को इस बात का पता चला, तो उन्होंने इजहार हुसैन, अख्तर हुसैन, रहमत हुसैन, ललन सिंह और शैलेश सिंह के खिलाफ 2024 में कोर्ट में केस दर्ज कराया। इसके अलावा, बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी ने भी सेक्टर 12 में एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज कराई थी।

सीआईडी इसी मामले की जांच कर रही है। ईडी ने भी इसी केस के आधार पर ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) दर्ज की है। इसी सिलसिले में मंगलवार को छापेमारी की गई। ईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घोटाले में कौन-कौन शामिल है और गलत तरीके से कमाए गए पैसे का इस्तेमाल कहां किया गया। कंस्ट्रक्शन कंपनियों पर छापे से यह पता चलता है कि ईडी को शक है कि इन कंपनियों ने घोटाले में शामिल लोगों की मदद की या उन्हें फायदा पहुंचाया।

नेशनल हेराल्ड पर कांग्रेस ने कहा- यह राजनीतिक प्रतिशोध

संवाददाता द्वारा

धनबाद। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन जारी करने को लेकर कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है. कांग्रेस इसे अब नेशनल मुद्दा बनाकर देश भर में अपने प्रवक्ताओं के माध्यम से समर्थन प्राप्त करने की कोशिश में जुटी हुई है. इसी क्रम में कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा धनबाद पहुंची है. इस दौरान उन्होंने जिला कांग्रेस कार्यालय में मीडिया कर्मियों से बातचीत की. इस दौरान सोनिया और राहुल पर लगे आरोपों पर सफाई दी.

डॉली शर्मा ने कहा कि भाजपा कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रही है. उन्होंने कहा कि राजनैतिक प्रतिशोध के लिए ईडी को लगाया गया है. नेशनल हेराल्ड को लेकर उन्होंने कहा कि किसी तरह की कोई हेराफेरी या मनी लॉन्ड्रिंग नहीं हुई है. उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने जब पीएम मोदी के खिलाफ बोलना शुरू किया, तब ईडी को लगाकर भाजपा सरकार ने नेशनल हेराल्ड केस का मामला दोबारा खोला गया.

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज नेशनल हेराल्ड का बैग लेकर चल रही हैं. उन्होंने इस पर कहा कि ये बांसुरी स्वराज तब कहां थी, जब ब्रज भूषण सिंह पहलवान बेटियों की इज्जत रौंद रहे थे, तब उनके खिलाफ बैग लेकर क्यों नहीं चलीं. डॉली शर्मा ने नेशनल हेराल्ड के मामले में मीडिया को साथ देने की अपील की.

दरअसल, नेशनल हेराल्ड अखबार स्वतंत्रता संग्राम के समय 1937 में शुरू की गई थी. डॉली शर्मा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि बच्चों के किताबों के पन्नों से स्वतंत्रता संग्राम के सिपाहियों को निकाला जा रहा है और माफिवीरों की गाथा पढ़ाई जा रही है. प्रेस वार्ता में जब उनसे मुर्शिदाबाद में लोगों पर हुए बर्बर अत्याचार पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. ना हीं ममता बनर्जी के खिलाफ एक शब्द भी बोला।

दुमका के सौरभ सिन्हा ने यूपीएससी परीक्षा में प्राप्त किया 49वां रैंक, घर में खुशी का माहौल

शिक्षा प्रतिनिधि द्वारा

दुमका। उपराजधानी दुमका के सौरभ सिन्हा ने यूपीएससी की परीक्षा में 49वां स्थान प्राप्त कर पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है. चौथे प्रयास में सौरभ को यह सफलता मिली है. इसके पहले वह 2021 और 2022 में इंटरव्यू तक पहुंचे थे, लेकिन सफलता नहीं मिली. इस कारण निराश होकर 2023 में सौरभ यूपीएससी की परीक्षा में नहीं बैठे थे. लेकिन लगातार कड़ी मेहनत से आखिरकार उन्होंने सफलता हासिल कर ली.

वहीं सौरभ की सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है. सभी एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं. सौरभ का परिवार दुमका के रेलवे स्टेशन रोड स्थित रसिकपुर मुहल्ले में एक छोटे से मकान में रहता है. वर्तमान में सौरभ सिन्हा लखनऊ स्थित आईआईटी के एक कोचिंग सेंटर में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं.

सौरभ सिन्हा को यूपीएससी में मिली सफलता से उनके पिता प्रियव्रत सिन्हा और माता विभा सिन्हा काफी खुश हैं. पिता प्रियव्रत सिन्हा दुमका के वकालत खाना में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं. सौरभ का एक छोटा भाई ऋषभ सिन्हा है, जो अभी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहा है. पिता प्रियव्रत ने बताया कि बचपन से सौरभ मेधावी था और उसका सपना आईएएस बनने का था. उसने मैट्रिक और इंटरमीडिएट की पढ़ाई दुमका के ग्रीन माउंट स्कूल से की थी. बाद में उसका सेलेक्शन आईआईटी खड़कपुर में हो गया और वहां से उसने स्नातक और मास्टर डिग्री प्राप्त की. वर्तमान में वह लखनऊ स्थित नारायणा कोचिंग सेंटर में मैथ पढ़ाते हैं. फिलहाल सौरभ लखनऊ में ही हैं और फोन पर अपने पिता को अपनी सफलता की सूचना दी.

बोकारो एनकाउंटर : फायरिंग में जख्मी नक्सली सहित दो गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः बोकारो जिले में सोमवार को हुए एनकाउंटर में एक करोड़ के इनामी सहित आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद एक और बड़ी सफलता सुरक्षाबलों के हाथ लगी है. मंगलवार को सुरक्षाबलों ने एक महिला सहित दो नक्सलियों को धर दबोचा है. गिरफ्तार दो नक्सलियों में से एक घायल अवस्था में इलाज करवाते पकड़ा गया है. मामले को लेकर जल्द ही झारखंड पुलिस के द्वारा आधिकारिक सूचना दी जाएगी. बोकारो के लुगु पहाड़ी पर सोमवार को हुए एनकाउंटर में एक करोड़ के इनामी विवेक सहित आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद मंगलवार को एक और बड़ी सफलता मिली है. सर्च अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने महिला नक्सली अनीता और नक्सल कैडर दयानंद को गिरफ्तार कर लिया है. सोमवार को हुए एनकाउंटर में कई नक्सलियों के घायल होने की बात सामने आई थी. इसके बाद सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल के आसपास कई किलोमीटर तक सघन सर्च अभियान चलाया.

सुरक्षा बलों की सर्च ऑपरेशन के दौरान एक व्यक्ति के गोली से घायल होने की सूचना मिली, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने उस घर को घेर लिया. जहां पर घायल व्यक्ति इलाज करवा रहा था. अंदर जाने पर नक्सली कैडर दयानंद घायल अवस्था में पकड़ा गया.

दयानंद को दो गोलियां लगी थी. उसके पास से दो हथियार भी बरामद किए गए हैं. दयानंद का इलाज अब पुलिस की सुरक्षा में करवाया जा रहा है.

बोकारो में हुई मुठभेड़ में सोमवार को एक करोड़ के इनामी विवेक के साथ 5 से 6 महिला नक्सली भी मौजूद थी. नक्सलियों और पुलिस के बीच जब मुठभेड़ शुरू हुआ तो आगे की पंक्ति में गोली चला रही दो महिला नक्सली तालो दी और रंजू मांझी मौके पर ही मारी गई. पास ही मौजूद नक्सली अनीता किसी तरह पुलिस की गोलियों से बचते हुए जंगल की तरफ भाग गई और जाकर छिप गई. इसी बीच सुरक्षाबलों ने जब सर्च ऑपरेशन शुरू किया, तब वह पकड़ी गई. हालांकि सूत्र यह भी बता रहे हैं कि पुलिस के अभियान से घबराकर जंगल में छिपी अनीता ने खुद ही हथियार डाल दिया. अनिता झारखंड के दुमका जिले की रहने वाली है. उसका पति राजू मांझी भी एक हार्डकोर नक्सली है.

घायल अवस्था में पकड़ा गया नक्सली दयानंद बिहार के जमुई का रहने वाला है. दयानंद एनकाउंटर में मारे गए अरविंद यादव का खास सहयोगी था. एनकाउंटर के दौरान सुरक्षा बलों की दो गोली दयानंद को लगी थी. एनकाउंटर के दौरान ही वह किसी तरह जंगल के रास्ते का फायदा उठाकर एक गांव में पहुंचा था और वहां अपना इलाज करवा रहा था. लेकिन पुलिस को मिली सटीक सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

दो नक्सलियों के जिंदा पकड़े जाने की वजह से मारे गए एक करोड़ के इनामी विवेक के दस्ते से जुड़ी कई जानकारियां अब बाहर आ पाएंगी. सोमवार को विवेक सहित आठ नक्सली एनकाउंटर में मारे गए थे. ऐसे में अब और कितने नक्सली उस क्षेत्र में बचे हैं और कौन उन्हें लीड कर सकता है, इसकी सारी जानकारी दयानंद और अनिता से पुलिस इकट्ठा करेगी.

झारखंड में निर्णायक मोड़ पर नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई, चार महीने में 15 नक्सली ढेर

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है. नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस को एक के बाद एक बड़ी सफलता हाथ लग रही है. इस साल जनवरी से लेकर 20 अप्रैल तक 15 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है. पांच नक्सली इनामी थे. यह सफलता झारखंड पुलिस को चाईबासा और बोकारो जिला में मिली है.झारखंड में साल 2020 के बाद सबसे अधिक नक्सली साल 2025 में मारे गए आंकड़े के मुताबिक, साल 2020 में 18 नक्सली मारे गए थे. 2021 में आठ, साल 2022 आते-आते यह संख्या बढ़कर में 12 हो गई, इसके बाद 2023 में 14, 2024 में 11 और साल 2025 में अप्रैल महीने में ही 15 नक्सली मारे गए है. हालांकि इस दौरान 20 जवान भी शहीद हुए है.

फिलहाल राज्य में सिर्फ पांच जिले (गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम) नक्सल प्रभावित रह गये हैं. देश के पांच राज्यों के 12 सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में झारखंड का सिर्फ एक जिला पश्चिमी सिंहभूम शामिल है.

झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 फीसदी खत्म हो चुकी है. छोटे-छोटे समूह में तब्दील होकर अपराधी और उग्रवादी संगठन आगजनी के साथ-साथ व्हाट्सएप कॉल पर कारोबारियों से रंगदारी की मांग कर रहे हैं.

झारखंड में भाकपा माओवादी संगठन के कमजोर होते ही छोटे-छोटे अपराधी और उग्रवादी संगठन सक्रिय हो गये हैं. ये रंगदारी और लेवी वसूलने के लिए वाहनों में आगजनी और गोलीबारी की घटना को अंजाम दे रहे हैं.

चार महीने में मारे गए 15 नक्सलीः

21 अप्रैलः बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक सहित आठ माओवादी मारा गया था. जिनमें प्रयाग मांझी, साहेबराम मांझी, अरविंद यादव, के अलावा पांच अन्य नक्सली शामिल थे.

29 जनवरीः चाईबासा में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गये थे. जिनमें एक महिला भी शामिल थी. मारे गए नक्सलियों की पहचान विनय गंझू उर्फ संजय गंझू और हेमंती मंझियाईन के रूप में हुई थी. विनय गंझू भाकपा माओवादी का जोनल कमेटी सदस्य था, जबकि हेमंती मंझियाइन एरिया कमेटी सदस्य थी.

22 जनवरीः बोकारो में पुलिस और भाकपा माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें दो नक्सली मारे गये थे. मृतक माओवादियों की पहचान मनोज बास्की और गिरफ्तार 15 लाख के इनामी नक्सली की पत्नी शांति देवी के रूप में हुई थी.

अखबार विक्रेता के बेटे राजकुमार महतो को यूपीएससी में 557वां रैंक

शिक्षा प्रतिनिधि द्वारा

चासः बोकारो के चास जोधाडीह मोड़ के अखबार वितरक बंधु रामपत महतो के बेटे राजकुमार महतो ने सिविल सेवा की परीक्षा (UPSC) में 557वां रैक हासिल किया है. समर स्पेशल ट्रेन से माता-पिता के साथ दिल्ली से बोकारो लौट रहे राजकुमार महतो ने 'प्रभात खबर' से टेलीफोन पर विशेष बातचीत की. कहा कि हार्ड वर्क का कोई विकल्प नहीं है. राजकुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया. कहा कि पिता की मेहनत व ईमानदारी ही उनकी शक्ति है. उन्हीं से सीख लेते हुए कड़ी मेहनत की और तीसरी कोशिश में सफलता हासिल की. राजकुमार ने बोकारो के जीजीपीएस से 12वीं तक की पढ़ाई पूरी की. उन्होंने जीजीपीएस चास से दसवीं की परीक्षा में 10 सीजीपीए और प्लस टू में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे.

राजकुमार ने बाद में दिल्ली के रामजस कॉलेज से फिजिक्स में ऑनर्स की पढ़ाई की. इसी दौरान उन्होंने दिल्ली में कोचिंग भी ली, पर कोविड के कारण उन्हें चास लौटना पड़ा. चास आने के बाद वह फिर बाहर नहीं गये. यूपीएससी की पढ़ाई कैसे की, यह पूछने पर कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई की. समय प्रबंधन पर चर्चा करते हुए राजकुमार ने कहा कि इसी बीच उन्होंने इग्नू से मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की. नेट

भी क्लियर किया. यूपीएससी की परीक्षा में भी शामिल होते रहे. अपने पहले अटेम्प्ट की चर्चा करते हुए कहा कि इस दौरान उन्हें निराशा हाथ लगी. दूसरी कोशिश में इंटरव्यू तक गये, पर फाइनल रिजल्ट नहीं आया. फिर भी हिम्मत नहीं हारी. तीसरी कोशिश में सफलता हासिल की.

मोटिवेशनल क्लास से मिली प्रेरणा : राजकुमार ने बात करते हुए कहा कि वर्ष 2015 में जीजीपीएस स्कूल में आयोजित मोटिवेशन क्लास में यूपीएससी परीक्षा में सफल छात्र आदित्य रंजन ने अपनी बात रखी थी. उनकी बातों को सुनकर उन्होंने आइपीएस बनने का सपना देखा और तैयारी में जुट गये. उन्होंने कहा कि पिताजी सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर शिक्षा देने में कभी पीछे नहीं हटे. पूरा परिवार उनके सपने को पूरा करने में लग गया. इसी का परिणाम है कि आज वह यूपीएससी की परीक्षा में सफल हुए हैं. राजकुमार ने सफलता का श्रेय अपने पिता, माता राधिका देवी, बहन अंजली कुमारी व रेणु कुमारी तथा जीजा धनेश्वर प्रसाद, दीपक कुमार सहित परिवार के सदस्य व शिक्षकों की दिया. उन्होंने कहा कि उनकी सफलता सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की है.

पिता को मानते हैं रोल मॉडल ः राजकुमार अपने पिता को अपना रोल मॉडल मानते हैं. उनके पिता रामपद महतो पिछले 35 वर्षों से अखबार वितरण के क्षेत्र में हैं. उनकी ईमानदारी की लोग चर्चा करते हैं. राजकुमार कहते हैं कि उन्होंने देखा कि किस तरह उनके पिताजी मेहनत करते हैं. इसी प्रेरणा से उन्होंने मेहनत की और इसका सफलता हासिल की.

पिता ने सफलता का श्रेय ईमानदारी को दिया : बेटे की उपलब्धि पर रामपद महतो को गर्व है. उन्होंने प्रभात खबर से बातचीत में कहा कि उन्होंने अपने बच्चों को ईमानदारी और कड़ी मेहनत करने का संस्कार दिया. इसी का फल उन्हें मिला. उन्होंने कहा कि सबके प्रेम और आशीर्वाद और बेटे की कड़ी मेहनत से यह सफलता मिली है. एक साधारण परिवार से होने के बावजूद अपनी मेहनत और संघर्ष से अपने सपनों को पूरा करने की वजह से अब राजकुमार पूरे चास-बोकारो के युवाओं के लिए मिसाल बन गये हैं.

बड़े जीजा धनेश्वर प्रसाद के मार्गदर्शन में मिली सफलता : उन्होंने कहा कि राजकुमार की मेहनत को देखते हुए उसके बड़े जीजा शिक्षक धनेश्वर प्रसाद उसका मार्गदर्शक और शिक्षक बन गये. उन्होंने कक्षा छह से लेकर यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी में मदद की. राजकुमार की सफलता पर कॉलोनी निवासी पूर्व उपमहापौर अविनाश कुमार, प्रो ज्ञान प्रकाश, रवींद्र पाठक, टुनटुन शर्मा, पंकज, संतोष, पवन सहित अन्य ने बधाई दी. कहा कि राजकुमार बचपन से ही मेहनती था. सफलता प्राप्त कर पूरे चास का नाम रोशन किया है. राजकुमार की बड़ी बहन अंजली कुमारी कैनरा बैंक में क्लर्क हैं, जबकि छोटी बहन रेणु कुमारी सरकारी शिक्षक बनने की तैयारी कर रही हैं. पूरा परिवार तियारा गांव से आकर चास नगर निगम के वार्ड नंबर 18 में पिछले 20 साल से अपना मकान बनाकर रहता है.

वक्फ संशोधन अधिनियम के पक्ष में बीजेपी चलाएगी विशेष अभियान

संवाददाता द्वारा

रांचीः रांची के भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया. कार्यशाला में मुख्य रूप से भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी के अलावा हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक सह भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास भी मौजूद थे.

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि देश में यदि वक्फ पूरी ईमानदारी से काम करती तो सऊदी अरब के मुसलमानों से ज्यादा अमीर भारत के मुस्लिम होते. कार्यशाला के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल भारत के विकास में मील का पत्थर साबित होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैसे कानून में संशोधन लाने का प्रयास किया है जो देश के विकास में बाधा बन रही थी, लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए कई पार्टियों ने इस कानून को लेकर समाज और देश में भ्रम फैलाने का काम किया है. उन्होंने कहा कि धारा 370 और 35 ए, सीएए, तीन तलाक, राम मंदिर और वक्फ संशोधन जैसे मामले पर विपक्ष राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है.

राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 से किसी भी मुस्लिम, मस्जिद, मदरसा आदि को परेशानी नहीं होने वाली है. यह कानून वैसे लोगों पर लगाम लगाने की कोशिश करेगा जो वक्फ की जमीनों पर बड़े मॉल, बिल्डिंग और अपने फायदे के लिए उसका उपयोग कर रहे हैं, जबकि वक्फ को दान में मिली जमीन पर स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मदरसा, मस्जिद और वैसे लोग जो गरीबी रेखा से नीचे हैं उन्हें जमीन आवंटित कर उनका सामाजिक और आर्थिक विकास करना था.

रजरप्पा में अवैध कोयला खनन के मुहानों से निकल रही भीषण आग से लोग परेशान

जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है।

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के रजरप्पा में एक बंद कोयला खदान में भीषण आग लगने की खबर है। आग के बाद इलाके में घना काला धुआं छा गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि जहरीले धुएं से इलाके में रहने वाले करीब 10,000 लोग प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)' को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया तथा आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले जब जमीन के नीचे मामूली आग लगी थी, तब उनकी शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया था। जमीन से निकलती भीषण आग और काले धूएं का गुबार देख भुचुंगडीह गांव के लोग डरे हुए हैं। गांव के भविष्य पर संकट गहराता दिख रहा है। जिससे लोगों में रोष भी देखा जा रहा है। बताया जाता है यहां सुलगती भूमिगत आग को लेकर पूर्व में ही सीसीएल रजरप्पा प्रबंधन को सचेत किया गया था। बावजूद इसके कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि यहां पर दशकों पहले भूमिगत कोयले की खदान हुआ करती। जो काफी अरसे पहले बंद हो गई। संभावना है कि यहां किसी तरह सुलग उठी भूमिगत आग समय बीतने के साथ फैलती गई होगी। इधर, अवैध खनन से मुहानों की पतली होती कोयले की परत के कारण आग ने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन कर कोयला निकाला जाता है। जो जिले की कई फैक्ट्रियों व ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। साथ ही बाहर की मंडियों में भी भेजा जाता है। उपायुक्त चंदन कुमार ने बताया कि आग

बुझाने के लिए एक टीम मौके पर भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चितरपुर प्रखंड के घनी आबादी वाले भुचुंगडीह गांव तक पहुंचने से पहले उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम आग पर नजर रख रहे हैं। हमारे अधिकारी आग बुझाने का उपाय खोजने के लिए सीसीएल के खनन विशेषज्ञों से सलाह ले रहे हैं। भुचुंगडीह गांव के निवासी राजू महतो ने कहा कि अगर आग को तुरंत नहीं बुझाया गया तो ग्रामीणों को अपने घरों से भागना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गांव में करीब 10,000 लोग रहते हैं। एक अन्य ग्रामीण जीवन महतो ने बताया कि आग अभी गांव से महज 500 मीटर की दूरी पर है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ग्रामीणों ने भूमिगत आग देखी थी और स्थानीय अधिकारियों तथा सीसीएल को इसकी सूचना दी थी। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया।'' रजरप्पा क्षेत्र के सीसीएल महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद ने कहा, ''हमने प्रारंभिक तौर पर मिट्टी और रेत डालकर आग को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया जा सका तो हम दूसरा तरीका खोजने की कोशिश करेंगे।

विवेक दा के एनकाउंटर के साथ ही नक्सलियों के एक युग का अंत

सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

क्राइम संवाददाता द्वारा

बोकारो : एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली और भाकपा माओवादी के केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक दा की मौत से झारखंड में नक्सल आंदोलन के एक युग का अंत हो गया। सोमवार सुबह बोकारो जिले के लुगू पहाड़ी में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में विवेक दा सहित आठ नक्सली मारे गए। यह झारखंड पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। आइए जानते हैं कौन हैं विवेक दा और कैसे हुआ नक्सलियों के एक युग का अंत... रविवार रात से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया था। सोमवार तड़के शुरू हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। अंततः सुरक्षाबल भारी पड़े और कुख्यात नक्सली प्रयाग मांझी मारा गया। मुठभेड़ के बाद फरार नक्सलियों की तलाश के लिए क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। विवेक दा धनबाद जिले के टुंडी के मानियाडीह थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बहुत कम उम्र में ही वह नक्सली संगठन में शामिल हो गया था। विवेक दा न सिर्फ झारखंड, बल्कि बिहार, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के नक्सली बेल्ट में भी वर्षों तक सक्रिय रहा।

गिरिडीह के पारसनाथ, बोकारो के लुगू और झुमरा पहाड़ उसके प्रभाव क्षेत्र में थे। अकेले गिरिडीह में ही उसके खिलाफ 50 से अधिक मामले दर्ज थे। संगठन में उसकी पहचान एक रणनीतिकार और सशस्त्र दस्ता प्रमुख के रूप में थी। सूत्रों के अनुसार, विवेक दा के पास एके-47, इंसास राइफल और भारी मात्रा में विस्फोटक था। उसके दस्ते में 50 से अधिक प्रशिक्षित नक्सली शामिल थे, जिनमें महिला माओवादी भी अलग-अलग इलाकों में सक्रिय थीं। उसकी तूती झारखंड के कई जिलों में बोलती थी और वह हमलों की रणनीति खुद तय करता था। प्रयाग मांझी की मौत को झारखंड पुलिस के लिए ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। पहली बार राज्य में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली ढेर किया गया है। इस कार्रवाई से गिरिडीह-बोकारो सहित उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों की कमर टूट गई है। विवेक दा की मौत के साथ ही भाकपा माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। विवेक, अरविंद और साहेब राम मांझी सहित आठ नक्सलियों के मारे जाने से संगठन की ताकत में भारी गिरावट आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुठभेड़ के बाद बचे हुए नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया गया है।

करणी सेना अध्यक्ष की हत्या के पीछे कौन?

क्राइम संवाददाता द्वारा

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बालीगुमा में करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की हत्या से इलाके में तनाव का माहौल है। विनय उलीडीह थाना क्षेत्र के आस्था स्पेस टाउन में रहते थे। डिमना चौक पर उनकी टाइल्स की दुकानें हैं। हत्या के बाद काफी बवाल देखने को मिला। घटना से नाराज विनय सिंह के समर्थकों ने डिमना चौक के पास एनएच-33 को जाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात ठप हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल व अन्य सबूतों के आधार पर जांच कर रही है। जांच, पुलिस पूछताछ और तमाम जानकारियों के मुताबिक इस घटना के संबंध में अलग अलग खुलासे हो रहे हैं। विनय सिंह की हत्या का कारण गोविंदपुर के बिल्ला पाठक से करीबी होना बताया जा रहा है। जमशेदपुर पुलिस ने कहा कि झारखंड के जमशेदपुर में रविवार शाम करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह का शव बरामद हुआ, उनके सिर पर गोली लगी थी और बाएं हाथ में पिस्तौल थी। कल सुबह से ही वे संपर्क में नहीं थे। शिकायत के बाद उनके मोबाइल लोकेशन का पता लगाया गया और शव बरामद किया गया। सभी संभावित एंगल से जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह, बिल्ला पाठक के करीब थे और यह माना जा रहा है कि बिल्ला पाठक का प्रतिद्वंद्वी गैंग, जिसका सरगना माशूक मनीष है, इस घटना को अंजाम देने में शामिल हो सकता है। मौका-ए-वारदात पर कई लोग इस हत्याकांड में माशूक मनीष गिरोह के शामिल होने की बात कह रहे थे। सूत्रों का कहना है कि एक महीने से विनय सिंह की रेकी की जा रही थी और इसकी जानकारी विनय सिंह को भी थी।

छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम की कार्रवाई में दो अधिकारी गिरफ्तार

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रायपुर : छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सोमवार राज्य के दो बड़े शहरों में रेड की कार्रवाई की है. इन दोनों जिले में एसीबी की टीम ने कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में सरकारी अधिकारियों पर शिकंजा कसा है. दोनों अधिकारियों को सीजी एसीबी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है. दोनों की पहचान प्रवीण साहू और सुल्तान सिंह बंजारा के रूप में हुई है. दोनों अधिकारियों के बारे में जानकारीः एसीबी के अधिकारी ने बताया कि प्रवीण साहू छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में सहायक अभियंता के पद पर तैनात थे, जबकि सुल्तान सिंह बंजारा कोरबा जिले के दुल्लापुर गांव में ग्राम राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत थे. दोनों अधिकारियों पर गंभीर आरोपः प्रवीण साहू पर एक शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं. शिकायतकर्ता से प्रवीण साहू ने वाणिज्यिक मीटर उपलब्ध कराने के लिए 25,000 रुपये की मांग की थी. जबकि सुल्तान सिंह बंजारा ने शिकायतकर्ता से उसकी तीन एकड़ जमीन को राजस्व रिकॉर्ड बुक में उसके नाम पर शामिल करने के लिए कथित तौर पर घूस की मांग की थी. बंजारा पर 25 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप था. एसीबी की तरफ से कहा गया है कि दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दोनों एसीबी के बिछाए जाल में फंस गए. इन दोनों पर कथित घूसखोरी के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है. एसीबी राज्य में लगातार छापेमार कार्रवाई कर रही है. 15 अप्रैल को एसीबी ने गौरेला पेंड्रा मरवाही में कार्रवाई की थी.

ईडी ने अलग-अलग शहरों में 573 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की

ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए।

विशेष संवाददाता द्वारा

रायपुर : ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पिछले हफ्ते छापेमारी कर 573 करोड़ रुपए की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते जब्त किए। जांच में पता चला कि सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे को विदेश भेजा गया और फिर उसे एफपीआई के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में लगाया गया। यह कार्रवाई दिल्ली, मुंबई समेत कई शहरों में की गई। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कुछ लोगों ने मिलकर छोटे और मध्यम उद्योगों (एसएमई) के शेयरों की कीमत बढ़ाई, ताकि आम निवेशकों को धोखा दिया जा सके। ईडी ने 16 अप्रैल को दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर में छापेमारी की। इस दौरान 3.29 करोड़ रुपए नकद भी जब्त किए गए। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी कार्रवाई के परिणामस्वरूप 3.29 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियों, बांड और डीमैट खातों पर रोक लगा दी

गई। इसके अलावा विभिन्न दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए। महादेव बेटिंग ऐप का मामला कुछ साल पहले सामने आया था। तब एजेंसी ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के कुछ नेता और अफसर इस ऐप के अवैध काम और पैसे के लेनदेन में शामिल हैं। इस ऐप को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल नाम के दो लोगों ने शुरू किया था। दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। जांच एजेंसी ईडी का कहना है कि कुछ कंपनियों ने मिलकर एसएमई सेक्टर के शेयरों की कीमत बढ़ाई। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आम निवेशकों को नुकसान हो। ईडी के अनुसार, कुछ लोग शेयरों की कीमत में हेरफेर करके गलत तरीके से पैसा कमा रहे थे। ईडी ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। 74 आरोपियों के खिलाफ पांच आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं। इसके अलावा, 3,002 करोड़ रुपए की संपत्ति भी जब्त की गई है। ईडी का अनुमान है कि इस मामले में लगभग 6,000 करोड़ रुपए का अपराध हुआ है। वहीं, ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है और पैसे का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया।

झील में डूबे युवक आलेख गौरव के परिजनों के साथ संकट की घड़ी में खड़े रहे सदर विधायक प्रदीप प्रसाद

- आलेख गौरव की डूबने की घटना में विधायक ने निभाई मसीहा की भूमिका.
- हजारीबाग की झील से युवक का शव निकाला गया विधायक के निजी प्रयासों से.
- सरकार भरोसे लायक नहीं, अब खुद करना होगा काम - प्रदीप प्रसाद
- एनडीआरएफ नाकाम रही, चौपारण की टीम ने दिखाया कमालः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के बाबू गांव, कोर्रा निवासी आलेख गौरव की सोमवार की सुबह झील में डूबने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। जैसे ही यह समाचार उनके परिजनों और स्थानीय लोगों को मिला, सभी घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सभी ने अपने स्तर पर खोजबीन का प्रयास किया, लेकिन शव बरामद नहीं हो सका।
घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित परिजनों ने सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को संपर्क किया। विधायक श्री प्रसाद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जिला प्रशासन से संपर्क स्थापित किया और एनडीआरएफ की टीम को बुलाने का आग्रह किया। श्री प्रसाद सोमवार की देर शाम स्वयं घटनास्थल पहुँचे और जिला प्रशासन व उच्च अधिकारियों से लगातार संवाद करते रहे। परंतु, बार-बार प्रयासों के बावजूद एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर नहीं पहुंच सकी, जो अत्यंत पीड़ादायक और चिंता का विषय था। सरकारी तंत्र की निष्क्रियता को देखते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चौपारण की एक प्रशिक्षित गोताखोर टीम को अपने निजी खर्च पर हजारीबाग बुलवाया। यह टीम रात्रि करीब 11:00 बजे तक झील में खोजबीन करती रही, परंतु शव नहीं मिल सका। अगले दिन मंगलवार को सुबह 6:00 बजे से पुनः खोजबीन का कार्य शुरू किया गया। लगभग आधे घंटे के अथक प्रयास के बाद, सुबह 6:30 बजे आलेख गौरव का शव बरामद कर लिया गया। इस पूरी घटना में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद की सक्रियता और मानवीय संवेदनशीलता ने उन्हें पीड़ित परिवार के लिए एक मसीहा के रूप में प्रस्तुत किया। घटनास्थल पर उपस्थित पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक श्री प्रसाद ने कहा की हजारीबाग जैसे महत्वपूर्ण जिले के लिए यह अत्यंत दुखद बात है कि जब एक युवक की जान गई और तत्काल राहत की आवश्यकता थी, तब एनडीआरएफ की टीम उपलब्ध नहीं हो सकी। सरकार की तरफ से केवल आश्वासन दिए जाते रहे, लेकिन जमीन पर कोई ठोस सहायता नहीं मिली। उन्होंने आगे कहा की चौपारण जैसे छोटे से गाँव से आई टीम ने, जिसमें एक 65 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल थे, अपनी मेहनत के बल पर शव को बरामद किया। ये लोग अपनी सूझबूझ और साहस से वह कर गए, जो सरकार के पास संसाधनों के बावजूद नहीं हो सका।

विधायक ने घोषणा की
मेरा प्रयास रहेगा कि इस टीम को बेहतर प्रशिक्षण दिलाया जाए और उन्हें गोताखोरी व राहत कार्यों के लिए आवश्यक सभी औज़ार निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएं। इतना ही नहीं, ऐसे टीम के 1-2 सदस्यों को मासिक वेतन पर नियुक्त करने का प्रयास करूंगा, ताकि भविष्य में इस तरह की किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तत्काल और प्रभावी सहायता प्रदान की जा सके।
श्री प्रसाद ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा की सरकार के भरोसे सिर्फ घोषणाएं मिलती हैं, ज़मीन पर कार्य खुद करना पड़ता है। अगर हमने चौपारण की टीम को नहीं बुलवाया होता, तो शायद शव मिलना और भी मुश्किल हो जाता। यह टीम मात्र 1 से डेढ़ घंटे के भीतर हजारीबाग पहुंच गई और रात्रि 11 बजे तक लगातार कार्य करती रही।

मानवता और जनसेवा का उदाहरण बने विधायक प्रदीप प्रसाद
यह घटना एक बार फिर यह सिद्ध करती है कि जब जनप्रतिनिधि संवेदनशीलता के साथ जनता के दुःख-सुख में भागीदारी निभाते हैं, तब जनता का विश्वास लोकतंत्र में और अधिक मजबूत होता है।प्रदीप प्रसाद ने अपने कर्मों से यह दिखाया कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि जनता के सच्चे सेवक हैं।

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

- रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति ने 50 महोगनी के पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया
- मानवता और ग्रह के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने में पृथ्वी दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: मंदिरा गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्व पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर, रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति के सदस्यों ने हजारीबाग के प्रकृति फ़ार्म के पास कोनार नदी के किनारे 50 महोगनी के पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। रोटरी क्लब आफ हजारीबाग जागृति की अध्यक्ष मंदिरा गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि इस पहल का उद्देश्य हमारे पर्यावरण की रक्षा करना और हमारे ग्रह की सुंदरता को बनाए रखना है। पर्यावरण जागरूकता और सक्रियता को बढ़ावा देकर, पृथ्वी दिवस सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करने और मानवता और ग्रह के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर आह्वान करते हुए कहा कि आइए हम सब एक हरियाली भरे कल के लिए मिलकर काम करना जारी रखें।

हजारीबाग झील की सुरक्षा व्यवस्था की जदयू ने उठाई मांग

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग झील जो हजारीबाग के हृदयस्थली है और यहीं झील परिसर में सभी उच्च अधिकारियों का आवास भी है फिर भी झील में आलेख गौरव का शव कई घंटे झील में फंसा रहा इस घटना ने शहर वासियों को झकझोर दिया है और इस तरह की घटना इस परिसर में बराबर होते ही रहती है काफी संख्या में शहर वासी सुबह है यहां शहर सपाटे के लिए आते हैं यही नहीं बाहर से आए सैलानी भी यहां जरूर आते हैं जनता दल यूनाइटेड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव रोमी सलूजा और जिला प्रवक्ता राकेश ठाकुर ने संयुक्त वक्तव्य जारी कर जिला प्रशासन से मांग किया है कि झीलों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए जिससे कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो माननीय सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के अथक परिश्रम से आलेख गौरव का शव निकाला जा सका और उनके परिजनों को सोपा गया इसके लिए माननीय विधायक धन्यवाद के पात्र हैं।

रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने सेंट एलिज़ाबेथ स्कूल में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

- ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता का किया आयोजन
- छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता का किया प्रदर्शन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने सेंट एलिज़ाबेथ स्कूल, हज़ारीबाग में एक ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता का प्रदर्शन किया। रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति की अध्यक्ष मंदिरा गुप्ता ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण योद्धाओं की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए यह एक अद्भुत पहल है।

अन्नदा महाविद्यालय में वेस्ट मैनेजमेंट और तंबाकू से कैंसर पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन

बायोटेक विभाग की पहल, गणित, भौतिकी और रसायन विभाग का सहयोग

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के तत्वावधान में गणित, भौतिकी एवं रसायन विभाग के सहयोग से वेस्ट मैनेजमेंट (कचरा प्रबंधन) एवं तंबाकू से कैंसर विषय पर एक जागरूकता अभियान एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य के प्रति छात्रों और समाज को जागरूक करना था।
कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्रो इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार के प्रेरणादायी भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि युवाओं में जागरूकता फैलाना ही एक स्वस्थ और स्वच्छ भविष्य की नींव है। सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ताओं ने ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन, रिसायक्लिंग, तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियाँ तथा विशेष रूप से कैंसर के खतरे पर विस्तार से प्रकाश डाला।
छात्रों ने पोस्टर प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक एवं प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से अपनी सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण की शपथ दिलाई गई।
यह संयुक्त प्रयास न केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी की ओर एक सकारात्मक कदम था, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता का प्रभावी माध्यम भी साबित हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विभावि के कुलपति एवं संकायअध्यक्षों ने पौधा रोपण का कार्य किया

- वन प्रमंडल पदाधिकारी मौन प्रकाश ने पौधा उपलब्ध कराया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पृथ्वी दिवस के अवसर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अतिथि भवन के सामने अवस्थित पार्क में पौधा रोपण का कार्य संपन्न किया गया। बड़ी संख्या में अधिकारी शिक्षक एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह के कर कमलो से समारोह पूर्वक पौधा रोपण का कार्य किया गया। इस अवसर पर संकायअध्यक्ष समाज विज्ञान डॉ सादिक रज्जाक, संकायअध्यक्ष मानवीकी प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह तथा संकायअध्यक्ष विज्ञान डॉ एच एन सिन्हा के कर कमल से भी पौधारोपण का कार्य सुसंपन हुआ। वन विभाग के वन प्रमंडल पदाधिकारी मौन श्री मौन प्रकाश ने विश्वविद्यालय को पर्यावरण की दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण पौधे उपलब्ध करवाए। कुलपति ने निर्देश दिया कि सभी पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। यह भी कहा कि वह स्वयं इसकी खबर लेते रहेंगे।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद पहुंचे मैंन रोड व्यापारियों से किया सीधा संवाद, समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

- ट्रैफिक, शौचालय और सुरक्षा मुद्दों पर गंभीर विधायक प्रदीप प्रसाद, मैंन रोड व्यापारियों को दिलाया भरोसा
- मैंन रोड की समस्याएं मेरी अपनी हैं, जल्द मिलेगा हर मुद्दे का स्थायी समाधानः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को मैंन रोड का दौरा कर व्यापारिक क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं वहां के व्यापारियों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर मैंन रोड के व्यापारियों ने विधायक श्री प्रसाद का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें मोमेंटो एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को खुलकर विधायक के समक्ष रखा और क्षेत्र के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

व्यापारियों द्वारा उठाई गई प्रमुख समस्याएं
ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या, सार्वजनिक शौचालय की कमी,व्यापारियों ने बताया कि मैन रोड और आसपास के क्षेत्र में सामूहिक शौचालय की अत्यधिक आवश्यकता है। ग्राहकों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। डिवाइडर निर्माण की आवश्यकता, दुकानों में बढ़ती चोरी की घटनाएं, बिना वजह ट्रैफिक चालान कटने की शिकायत

विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा दिए गए आश्वासन
सामूहिक शौचालय का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा, विशेष रूप से सदर थाना के पास की जगह को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि आमजन को सुविधा मिल सके। डिवाइडर निर्माण का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाएगा जिससे मैंन रोड की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके। ट्रैफिक समस्या को लेकर पुलिस अधीक्षक से वार्ता की गई है आगे एक विशेष बैठक की जाएगी व्यापारियों के साथ. चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण हेतु सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा पुलिस गश्ती दल की संख्या बढ़ाने की मांग पुलिस प्रशासन से की जाएगी. बिना कारण ट्रैफिक चालान काटने पर रोक लगाने हेतु ट्रैफिक विभाग को निर्देशित किया जाएगा कि पारदर्शिता के साथ नियमों का पालन कराया जाए और व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि क्षेत्र के व्यापारी शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी हर समस्या को वे गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि आप सबकी समस्याएँ मेरी अपनी समस्याएँ हैं। मैं खुद आपके बीच आकर स्थिति को देखकर गया हूँ, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। शीघ्र ही सभी आवश्यक विकास कार्य प्रारंभ होंगे। अंत में व्यापारियों ने विधायक के सक्रिय सहयोग और संवेदनशील दृष्टिकोण की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उनके साथ खड़े रहने की अपेक्षा व्यक्त की।

सैक्रेड हार्ट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया पृथ्वी दिवस

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सैक्रेड हार्ट स्कूल में छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में हमारे सुंदर ग्रह – जो हमारा एकमात्र घर है – का जश्न मनाया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक विकास कुमार दास ने यह बताया कि पृथ्वी हमें सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पीने के लिए पानी और जीवन यापन के लिए भूमि प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान मिस मेरी ने यह बताया कि प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसे खतरे प्रकृति को प्रतिदिन नुकसान पहुँचा रहे हैं।
विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर गीता ने छात्रों को यह संदेश दी कि पृथ्वी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कार्य करने का आह्वान है। सभी ने पेड़ लगाने, पानी बचाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और रीसायक्लिंग जैसी छोटी-छोटी लेकिन प्रभावशाली आदतें अपनाने का संकल्प लिया। यह भी समझाया गया कि अगर हम सब आज से ही प्रयास शुरू करें, तो मिलकर एक स्वच्छ, हरा-भरा और स्वस्थ भविष्य बना सकते हैं।
कार्यक्रम का समापन सभी छात्रों और शिक्षकों द्वारा पृथ्वी के प्रति प्रेम और सम्मान का वचन देकर किया गया। यह संकल्प सिर्फ़ पृथ्वी दिवस पर ही नहीं, बल्कि हर दिन निभाया जाएगा।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पृथ्वी हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न पक्ष है- कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह

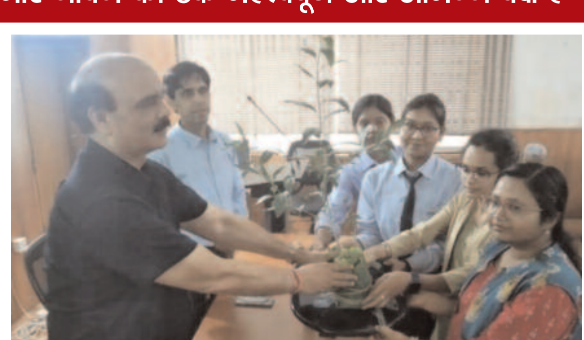

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पृथ्वी नहीं तो आजीविका नहीं। हमारी पूरी कृषि पृथ्वी पर निर्भर है। प्रत्येक जीवित प्राणी के लिए पृथ्वी ही जीवन रेखा है। उक्त बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने कही। मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में वनस्पति विज्ञान विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को वह बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि पौधारोपण ही पृथ्वी दिवस को मनाने का सबसे उत्कृष्ट तरीका है। ऐसा इसलिए क्योंकि पौधा रोपण से भूमि का संरक्षण का कार्य संपन्न होता है। पृथ्वी पर ऊपर के एक मीटर की भूमि उर्वर होती है और इसी पर पूरी खेती निर्भार है। अतः इसे संरक्षित करना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। ज्ञात हो कि कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह उत्तराखंड के पंतनगर में अवस्थित जीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी में सेवा का लंबा अनुभव रखते हैं।
उन्होंने आगे कहा कि पृथ्वी दिवस के दिन हमें संकल्प लेनी चाहिए कि हम पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने में हर संभव योगदान देते रहेंगे। इस संबंध में जागरूक होने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि एक समय हजारीबाग में गर्मी नहीं के बराबर पढ़ती होगी। परंतु जैसे-जैसे वृक्षों की कटाई होती चली गई और वन क्षेत्र कम होती गई वैसे-वैसे हजारीबाग का मौसम भी बदलता चला गया। अब यहां भी गर्मी पड़ने लगी है।
कार्यक्रम में विषय प्रवेश करते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार ने कहा की पृथ्वी दिवस किसी विशेष दिन नहीं बल्कि प्रतिदिन पृथ्वी के लिए अपनी जवाबदेही निभाने के लिए है। पृथ्वी दिवस मनाने की प्रासंगिकता एवं आने वाले चुनौतियों से निपटने के लिए सभी से आग्रह किया।
पृथ्वी दिवस के अवसर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के अभी आयोजन किया गया था जिसमें अलग-अलग विभाग से कुल 26 प्रतिभागियों ने अर्थपूर्ण पोस्टर बनाकर सबको मंत्रम मुक्त कर दिए। प्रतियोगिता में भूगोल विभाग के तरुण कुमार दास को प्रथम, वनस्पति विज्ञान विभाग के रसिया वारिस को द्वितीय तथा भूगर्भ विभाग के तिल्सतमां भारती को तृतीय स्थान के लिए चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त वनस्पति विज्ञान विभाग की संध्या कुमारी तथा बायोटेक्नोलॉजी विभाग की निशा कुमारी को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी विजेताओं का कुलपति ने पुरस्कार एवं पौधा भेंट कर उत्सवर्धन किया। जंतु विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ किशोर कुमार गुप्ता तथा शिक्षा शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ अमिता कुमारी निर्णायक की भूमिका में रहे। डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा समाज विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में भिन्न विभाग के अध्यक्ष, निदेशक, शिक्षक एवं विद्यार्थी अच्छी संख्या में उपस्थित हुए।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या : RP/ECR/DNR/EL/PMS/GHD-MHDA, दिनांक : 16.04.2025.
1. कार्य का नाम एवं स्थान : Request for proposal (RFP) appointment of project management services (PMS) for "Design, Supply, Erection, Testing & commissioning of 132/2x25 KV Traction sub-station along with SP/SSP's between GHD-MHDA Section in connection with raising loading capacity upto 3000MT under East Central Railway. 2. कार्य का अनुमानित लागत :₹7,28,69,340.53/–, 3. निविदा फार्म की कीमत : ₹0.00/–, 4. आवश्यक बयाना राशि : ₹5,14,400/–, 5. निविदा प्रस्ताव जमा करने एव निविदा खुलने की तारीख एवं समय : निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारांभिक तारीख दिनाकं : 26.05.2025 निविदा खुलने की तारीख एवं समय : दिनांक 09.06.2025 को 15:00 बजे | 6. बेवसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहॉ पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है : पात्रता मानदडं एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाइट पर देखा जा सकता है | 7. पता एवं अन्य जानकारी : मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल पोस्ट – खगौल जिला – पटना, पिन–801105,

उप मुख्य विद्युत अभियंता / पूमरे/दानापुर

पीआर/0125/डीएनआर/अभि./टी/25–26/44

संक्षिप्त समाचार

साउथ एशियन कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम के रौनक ने जीता गोल्ड मेडल

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सात कराटेकारो ने गिरिडीह झारखंड में आयोजित प्रथम साउथ एशियन कराटे चैम्पियनशिप में मजबूती व फुर्ती से साथ फाईट और काता करते हुए दो गोल्ड, सात सिल्वर,पाँच ब्राउज मेडल की जीत अपने नाम किया जिनका नाम इस प्रकार है, संत मरियम विधालय के रौनक कुमार फाईट में गोल्ड मेडल और काता में सिल्वर मेडल,अनिकेत कुमार फाईट में सिल्वर मेडल और काता में ब्राउज मेडल, युवराज कोरवा फाईट में सिल्वर मेडल और काता में ब्राउज मेडल एंव पलामू मिक़्सड मार्शल- आर्ट्स टाइगर्स एकेडमी के आकाँक्षा कुमारी फाईट में सिल्वर मेडल और काता में ब्राउज मेडल, मीरा मखारिया फाईट में सिल्वर मेडल और काता में ब्राउज मेडल,लाडली कुमारी फाईट में सिल्वर मेडलऔर काता में ब्राउज मेडल,डोली कुमारी फाईट में गोल्ड मेडल और काता में ब्राउज मेडल इत्यादि। यह प्रतियोगिता वर्ल्ड फुनाकोशी शोतो-काँन कराटे आग्रानाईजेशन इंडिया के तत्वावधान में 18-19-20 अप्रैल को गिरिडीह टाउन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा नेपाल, भुटान, बंगलादेश, वर्मा, थाईलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, इन्डोनेशिया इत्यादि देश के कराटेकार हिस्सा लिया। यह टीम मुख्य कराटे प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार के नेतृत्व में गिरिडीह गयी थी, जबकि टीम मैनेजर दिपक कुमार और गोल्डी कुमारी को नियुक्त किया गया था।

विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

कानूनी सहायता केंद्र कान्हाचट्टी के अधिकार मित्र निशा कुमारी के द्वारा प्रखण्ड कान्हाचट्टी के नव सृजित प्राथमिक विद्यालय आरूगड़ा में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया गया कि 22 अप्रैल को दुनिया भर में विश्व पृथ्वी दिवस के रुप मे यह दिवस प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है।यह दिवस बिगड़ते पर्यावरण कि रोकथाम और पृथ्वी एवं पर्यावरण संकट की गंभीरता को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कि गई थी।भारी मात्रा में पेड़ काटे जाने नदी व वायु प्रदूषण के चलते बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग पुरे विश्व के लिए खतरे का संकेत हैं।पृथ्वी का संतुलन बिगड़ना सभी के लिए एक बड़ी समस्या है।आज पृथ्वी दिवस के दिन सभी को पर्यावरण बेहतर बनाने व पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए ताकि पृथ्वी का भविष्य सुरक्षित हो। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमे पेड़ लगाने चाहिए,आसपास साफ- सफाई रखनी चाहिए साथ ही भूमिगत जल को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में बच्चों के साथ विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रभापुंज पब्लिक स्कूल मे विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-अंगद कुमार सिंह

चान्हो प्रखण्ड अंतर्गत राजीव नगर स्थित प्रभापुंज पब्लिक स्कूल विद्यालय , के प्रांगण में 'विश्व पृथ्वी दिवस ' का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शालिक राम पाण्डे व प्रधानाचार्या शुभांशु कुमार ने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं छात्र-छात्राओं को पेड़ पृथ्वी एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए शपथ दिलाते हुए जागरूक किया ।उन्होंने कहा कि यह दिन हमें अपने ग्रह की रक्षा के लिए एक संकल्प लेने का अवसर देता है। कार्यक्रम में स्कूल के सभी स्टूडेंट्स सहित घनश्याम भगत, कुमार आर्या विजय यादव और शुभम पाण्डेय सहित सभी टीचर्स मौजूद रहे।

खजुरी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हेल्थ कैंप का आयोजन, डॉक्टर समेत जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। जिले के छतरपुर थाना के खजुरी गांव में सोमवार दोपहर 1 बजे आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में हेल्थ कैंप का आयोजन किय गया। जिसका उद्देश्य देश में स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाना है। यह योजना नागरिकों के डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, डिजिटल स्वास्थ्य समाधान और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को सुविधाजनक बनाती है। जिससे चिकित्सा सेवा को अधिक किफायती, सुलभ और कुशल बनाया जा सकता है। इस कारण इस डिजिटल मिशन के लिए लोगों को जागरूक करना अति महत्वपूर्ण है ताकि लोग अपने स्वास्थ्य का लाभ आधुनिक तरीके से उठा सके। डॉक्टरों ने बताया कि हेल्थ मेला में गैर संचारी रोग के साथ टीबी, सिकल सेल रोग का जांच एवं परामर्श चिकित्सक के देख-रेख में किया जाता है। मौके पर डॉ राजेश अग्रवाल, अरविंद कुमार, उमाकांत सहाय, अमित कुमार सिंह, सत्येंद्र कुमार, संतोष कुमार, मुखिया हरेंद्र सिंह, मधुमिता कुमारी, अमंती टोप्पो , प्रीति सिन्हा समेत कई लोग मौजूद थे।

झारखंड में सरकार के प्रबल प्रयास से महिलाएं हो रही है सबलः शिल्पी नेहा तिर्की

चान्हो और मांडर प्रखंड कार्यालय परिसर में सिलाई मशीन सहित दूसरी योजनाओं का किया वितरण

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हो और मांडर प्रखंड कार्यालय परिसर में महिलाओं के बीच सिलाई मशीन, आपदा राहत कोष, सड़क दुर्घटना के आश्रितों को मुआवजा, अलवृष्टि से नुकसान का मुआवजा, बिरसा हरित ग्राम योजना सहित दूसरी योजनाओं का वितरण किया . इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के कथन को आज याद रखने की जरूरत है. उन्होंने कहा था समाज का विकास उस समाज में महिलाओं की स्थिति से परखा जाता है. आज झारखंड में सरकार के प्रबल प्रयास से महिलाएं सबल हो रही है. राज्य सरकार की योजनाएं महिलाओं के लिए सम्मान के तौर पर है. कल्याण विभाग के सौजन्य से सिलाई मशीन के वितरण को गंभीरता से लेने की जरूरत है . अगर राज्य की महिलाएं सामूहिकता के साथ स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाती है तो ये रोजगार के क्षेत्र में उनकी स्वतंत्र पहचान स्थापित करेगा . महिलाएं बेहतर ट्रेनिंग के साथ सहकारी समिति से जुड़ कर अपना भविष्य खुद संवार सकती है . समाज में कई मौके ऐसे आते है जब महिलाएं सामूहिक रूप से काम करते हुए पैसे कमा सकती है . उन्होंने कहा कि आज राज्य सरकार की जिन योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिलने जा रहा है वो इसको लेकर अनभिज्ञ है . लाभुकों को इस बात की जानकारी तक नहीं है कि उनके बैंक खातों में आपदा राहत कोष का लाभ जा रहा है. इसके लिए प्रखंड के अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वहन करना होगा . लाभुकों की सूची सूचना पर लगानी होगी , ताकि सरकारी योजना मिलने का इंतजार कर रहे ग्रामीणों समय इसकी जानकारी मिल सके . चान्हो प्रखंड कार्यालय के JSLPS सभागार में 36 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया. इसके अलावा आपदा राहत कोष , सड़क दुर्घटना के आश्रितों के बीच चेक का वितरण किया गया. वही मांडर में 40 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया. वही बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया . इस मौके पर दोनों ही प्रखंड अंचल अधिकारी मौजूद रहे एवं, अब्दुल्ला अंसारी, सरिता देवी, अजीत सिंह, दिलीप सिंह, जमिल मल्लिक सहित अन्य नेता मौजूद थे.

बरसात से पहले रजवार गांव में बिजली पोल की व्यवस्था सुनिश्चित करें : अनीता देवी

बालूमाथ। लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत रजवार गांव के भ्रमण के दौरान बिजली आपूर्ति से जुड़ी गंभीर समस्या को उजागर किया। ग्रामीणों से बातचीत में सामने आया कि रजवार के कई टोलों में आज भी बिजली आपूर्ति के लिए लकड़ी के खंभों का उपयोग किया जा रहा है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिप उपाध्यक्ष ने तत्परता दिखाते हुए लातेहार विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता से बात की। साथ ही इस कार्य से जुड़े संवेदक से भी संपर्क कर बरसात शुरू होने से पूर्व हर हाल में बिजली पोल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अनीता देवी ने चेतावनी देते हुए कहा लकड़ी के खंभों पर विद्युत आपूर्ति कराना न केवल असुरक्षित है, बल्कि यह प्रशासन की संवेदनहीनता और लापरवाही को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि एक ओर क्षेत्र में कोयला कंपनियों के लिए प्रशासन तत्परता से काम कर रहा है, जबकि दूसरी ओर ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बालूमाथ क्षेत्र के कई गांव आज भी बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। वहीं, कोयला कंपनियों के लिए जमीन अधिग्रहण में अधिकारी पूरी सक्रियता दिखाते हैं।

पदाधिकारी संवेदनशीलता के साथ काम करें,ग्रामीणों की आवाज़ सुनें और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करें अनीता देवी ने स्पष्ट और सख्त लहजे में प्रशासन को निर्देशित किया। गांव की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को लेकर जिप उपाध्यक्ष की यह पहल क्षेत्रीय जनहित में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन अब इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करेगा और बरसात के पहले बिजली पोल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस ने दो नक्सली आरोपियों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई, न्यायालय के इश्तेहार का किया चस्पा

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस ने दो वांछित नक्सली आरोपियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर न्यायालय से जारी इश्तेहार को विधिवत चस्पा कर दिया। यह कार्रवाई बालूमाथ थाना के पु0अ0नि0 अमित कुमार रविदास के नेतृत्व में दल-बल के साथ की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालूमाथ कांड संख्या 203/2022 दिनांक 20.10.2022 के तहत दर्ज मामले में अभियुक्त 1.बालदेव गंझू उर्फ अमरेश जी,पिता पचु गंझू, निवासी गोनिया,छाताबार एवं 2.केदार यादव, पिता राघो यादव, निवासी महवाटांड़, थाना बारियातु, जिला लातेहार – दोनों पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इन धाराओं में भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 387,120B के साथ-साथ आर्म्स एक्ट की धाराएं 25(1-B)(a), 25(1-A), 26, 35 एवं संशोधित आर्म्स एक्ट की धारा 25(6), 25(7), तथा CLA एक्ट की धारा 17 भी शामिल हैं। ये दोनों अभियुक्त प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (JJMP) से जुड़े हुए हैं और लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने माननीय न्यायालय से प्राप्त इश्तेहार के आधार पर दोनों आरोपियों के निवास स्थान पर दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में नोटिस को घर की दीवार पर चस्पा किया। पुलिस ने परिजनों को सख्त निर्देश दिया है कि यदि एक माह के भीतर दोनों अभियुक्त न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं,तो उनके विरुद्ध कठोर और अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को नक्सली नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस की सख्ती से इलाके में दहशत का माहौल है। बालूमाथ क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस लगातार अभियान चला रही है और आगे भी ऐसे फरार नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रखंड में चल रहे सभी योजनाओं की प्रखंड कर्मियों के साथ बीडीओ ने किया समीक्षा बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छत्तरपुर, पलामू। प्रखंड मे चल रहे संचालित योजनाओं की प्रगति तेज करने के लिए बीडीओ ने की समीक्षा बैठक.जिसमे अबुआ आवास, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, बिरसा मुंडा आवास, भीमराव अम्बेडकर आवास, समाजिक सुरक्षा, मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पंद्रहवी वित्त,. कृषि, पशुपालन, खाद्य आपूर्ति, एवं प्रखंड से उपलब्ध कराय गए जन शिकायत का जांच प्रतिवेदन, RTI से सम्बंधित प्रतिवेदन को लेकर चर्चा की गई। बैठक मे प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कु साहू ने प्रधानमंत्री आवास 2016-2022 मे बचे 198 लाभुकों को जल्द आवास पूर्ण करने का निर्देश पंचायत सचिव और पंचायत सहायक को दिया गया, साथ ही PWL मे बचे योग्य लाभुकों का डोकॉमेंट एक से दो दिन के अंदर जमा करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा मे लेबर डिमांड चल रहे योजनाओं को समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक मे उपस्थित प्रधान सहायक नवाब खान, प्रखंड समन्वयक संतन गुप्ता, बिपिओ अमरेंद्र कुमार, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, jslps एवं प्रखंड के कई कर्मी लोग उपस्थित थे।

डिजिटल साक्षरता के लिए विद्यार्थियों को मिले 28 टैबलेट, बच्चों में उत्साह

संवाददाता-अंगद कुमार सिंह

चान्हो। बाघवार एकेडमी चान्हो को मंथन युवा संस्थान रांची की ओर से 28 टैमलेट विद्यार्थियों को दिए गए हैं। यह टैबलेट्स अग्रणी कंपनी लीप टू शइन द्वारा उपलब्ध कराए गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को डिजिटल साक्षरता और शैक्षणिक विकास में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मंथन युवा संस्थान की ओर से सुनील पाल (सचिव), सुरेश यादव, मोहम्मद शकील राही तथा प्रशिक्षक के रूप में देव दुबे उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को टैमलेट्स का उपयोग करके पढ़ाई करने का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में लगभग 40 छात्राएं उपस्थित थे, जिन्होंने उत्साहपूर्वक टैबलेट प्रशिक्षण में भाग लिया। बापवार एकेडमी के निदेशक अशोक मघवार तथा प्राचार्य अरुण बधवार का मानना है कि डिजिटल संसाधनों तक पहुंच बच्चों के सर्वांगीण विकास के के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में विकास कुमार (कंप्यूटर शिक्षक) एवं कुलदीर कुमार (बिज्ञान शिक्षक) को भी उपस्थिति रही।

गढ़वा की बेटियाँ रच रही हैं इतिहास - छाया कुमारी की यूपीएससी में ऐतिहासिक सफलता

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता मोहम्मद शमीम उंटारी रोड

गढ़वा। जिले की धरती एक बार फिर गौरवान्वित हुई है। इस बार यह गौरव दिलाया है छाया कुमारी, पुत्री श्री सुनील दुबे जी ने, जिन्होंने यूपीएससी 2024 की परीक्षा में 530वीं रैंक प्राप्त कर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। छाया की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व की बात है, बल्कि गढ़वा के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है।छाया कुमारी की यह उपलब्धि साबित करती है कि मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, चाहे संसाधन सीमित क्यों न हों। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हुए भी उन्होंने यह दिखा दिया कि सपने अगर सच्चे हों और इरादे मजबूत, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। यह पहली बार नहीं है जब गढ़वा की बेटियों ने ऐसा कमाल किया हो। दो वर्ष पूर्व भी इसी जिले की एक और प्रतिभाशाली बेटी ने 73वीं रैंक लाकर जिले को गर्व से भर दिया था। यह सिलसिला यह दर्शाता है कि गढ़वा की बेटियाँ अब सिर्फ घर की लक्ष्मी नहीं, बल्कि देश की दिशा बदलने वाली शक्ति बन चुकी हैं।गढ़वा अब शिक्षा और प्रतिभा के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की बेटियाँ ये बता रही हैं कि अब वे सिर्फ सपने नहीं देखतीं, उन्हें साकार करना भी जानती हैं।हम सब की ओर से छाया कुमारी को ढेर सारी शुभकामनाएं - उनका उज्ज्वल भविष्य हो, और वे देश की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। साथ ही, उन सभी माता-पिता को भी बधाई, जो अपने बच्चों को पढ़ने, बढ़ने और उड़ने की आज़ादी दे रहे हैं। गढ़वा की बेटियाँ अब रुकने वाली नहीं है ये शुरुआत है, अभी और इतिहास बनना बाकी है।

अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर विद्यालय परिवार द्वारा वनों के संरक्षण के लिए जंगल में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा)अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय हेसातु प्रखण्ड टण्डवा, जिला चतरा के छात्र -छात्राओं और शिक्षकों के द्वारा जन जागरूकता रैली और वनों के संरक्षण के लिए सतपहाड़ी जंगल में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ इस क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी और पर्यावरण तथा शिक्षा प्रेमी प्रमोद कुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी ने संयुक्त रूप से वृक्षों में रक्षाबंधन कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण और पृथ्वी के संरक्षण में विद्यालय के छात्र -छात्राओं के प्रयासों की बहुत सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से विद्यालय के इको क्लब के छात्र पृथ्वी दिवस के लिए मिश्रौल से हेसातु के बीच पांच किलोमीटर और हेसातु से धनगडा मार्ग पर तीन किलोमीटर तक सड़क के किनारे लगे पेड़ों की रंगाई में लगे हुए थे। वैसे छात्रों को उन्होंने पुरस्कृत करने की घोषणा की। साथ ही अन्य छात्र -छात्राओं तथा अभिभावकों को इस विद्यालय से प्रेरणा लेने और पृथ्वी के पर्यावरण के संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। हेसातु विद्यालय के उत्थान में प्रमोद जी का पिछले 20 वर्षों से महती भूमिका रही है, जो आज भी बरकरार है। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें दिल से आभार।छात्र -छात्राओं की रैली हेसातु, सिदपा, गिदी, नावाडीह, पचम्बा और मिश्रौल गांव का भ्रमण किया और लोगों से पृथ्वी के संरक्षण के लिए अपिल की। रैली में बच्चे आज क्या है। पृथ्वी दिवस मनाना है- धरती को बचाना है, जंगल है तो जीवन है, जंगल बचाओ -जीवन बचाओ, धरती माता करे पुकार- हरा भरा कर दो संसार, धरती हमारी जननी है- इसकी रक्षा करनी है आदि नारों से वातावरण गुंजायमान हो रहा था। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथिगण, विद्यालय के समस्त छात्र -छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, विशेष कर इको क्लब के सदस्यों, प्रकृति प्रेमियों का बहुत-बहुत धन्यवाद और विशेष धन्यवाद मां यशोदा हार्डवेयर सेरनदाग के प्रोपराइटर रवि कुमार का जिन्होंने पेड़ों के रंग रोगन के लिए लगभग तीन हजार का एमुलशन रंग उपलब्ध कराया। आज के हि दिन विद्यालय की एक छात्रा आकृति कुमारी को उसके जन्मदिन के शुभ अवसर पर विद्यालय की ओर से उसे शिक्षक बिनेश्वर कुमार के कश्यप कमलों से आम का पौधा भेंट की गई। धरती हमारी जननी है। इसकी रक्षा करनी है।

पी.एम-किसान योजना के लाभुकों के डाटा का भौतिक सत्यापन करने के लिए बी.डी.ओ संजय कुमार ने की बैठक दिये कई निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में पी.एम–किसान सम्मान निधि योजना की राशि प्राप्त करने वाले किसानों का डाटा सत्यापन करने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने लिट्टीपाड़ा अंचल के सभी ग्राम प्रधान, राजस्व उप निरीक्षक, कृषक मित्र, पंचायत स्वयं सेवक और जे.एस.एल.पी.एस कर्मियों के साथ बैठक की।

इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी कर्मियों एवं ग्राम प्रधान को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के योग्य लाभुकों के रूप में परिवारों के मुखिया को सम्मान राशि का भुगतान किया जाना है। कई स्थानों पर देखा गया है कि डाटा का भौतिक सत्यापन के अभाव में एक ही भूमि पर एक ही परिवार के कई सदस्यों द्वारा अपने आप को अगल-अलग परिवार के मुखिया दशाते हुए उक्त योजना का लाभ लिया जा रहा है। कुछ ऐसे भी लाभुक हैं, जो मृत है, संबंधित ग्राम के निवासी नहीं है, स्थायी रूप से गाँव से बाहर रहते है, बैंक खाता स्वयं का नहीं है या फिर 18 वर्ष से कम उम्र के है आदि कारणों का उक्त योजना से संबंधित लाभुकों के घर-घर जाकर लाभुको के दस्तावेज सत्यापन करने का निर्देश दिये।

साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के दिये गये ग्राम वार लाभुकों की सूची में लक्ष्य के अनुरूप प्रतिदिन भौतिक सत्यापन करते हुए उक्त दिवस को ही लाभुकवार भौतिक सत्यापन डाटा सह प्रतिवेदन अंचल कार्यालय लिटटीपाड़ा जमा करने का निर्देश दिये ताकि अवैध लाभुको के डाटा को स्टोप पेमेंट की श्रेणी में डाला जा सके।

इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रभारी अंचल निरीक्षक अनिल पहाड़िया, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के. सी. दास, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जन्मजय बाउरी, सहित सभी अंचल के ग्राम प्रधान, राजस्व उप निरीक्षक, कृषक मित्र, पंचायत स्वयं सेवक एवं जेएसएलपीएस के कर्मी गण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत मिशन मोड में किया जा रहा है पशु पक्षियों का वितरण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस व्युरो पाकुड़

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2024-25 के तहत अनुदान प्राप्त लाभुकों को मिशन मोड पर पशु, पक्षी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा ने बताया की उपायुक्त महोदय के निर्देशानुसार आगामी 15 मई तक अनुदान प्राप्त लाभुकों को शत-प्रतिशत पशु, पक्षी उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में जिले में प्रतिदिन अलग-अलग प्रखंडों में बकरी पालन, मुर्गी पालन, सूकर पालन एवं आदि से संबंधित लाभुकों को गुणवत्तापूर्ण पशुधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 115 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस व्युरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रोडगों (मांझी टोला), महेशपुर प्रखंड के बिलासपुर, पाकुड़िया प्रखंड के मोहनपुर एवं हिरणपुर प्रखंड के दुर्गा मंदिर डागापाड़ा में आयुष विभाग की ओर से मंगलवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 115 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया।

डॉ0 प्रेम प्रकाश, डॉ0 राजेश यादव, डॉ0 वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ0 लावकुश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताय गया।

उपायुक्त ने की पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अनुदान प्राप्त लाभकों को पशुधन उपलब्ध कराने हेतु पशु मेला का रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी लाभुकों को शीघ्र योजना का लाभ देने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उपायुक्त ने 25 अप्रैल को सभी पशुपालकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन में आयोजित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पशुपालन विभाग की योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों से संबंधित केस स्टडी/ सक्सेस स्टोरी ऑडियो विजुअल फॉर्मेट में तैयार कर उपस्थापित करने का निर्देश दिया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के अध्यक्षता में मोबाइलइजर के साथ समीक्षा बैठक किया गया

हिरणपुर (पाकुड़) घाघरजानी स्थित प्रखंड के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप एवं अंचल अधिकारी मनोज कुमार के अध्यक्षता में पंचायत सहायक एवं मोबाइलाइजर के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पंचायत सहायकों को सूचित किया गया कि पंचायत सचिवालय भवन में ग्राम पंचायत सहायता केंद्र की स्थापना हेतु एक कक्ष आवंटित किया जाएगा। इस केंद्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनके आवेदन निष्पादन की प्रक्रिया में पंचायत सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पंचायत सहायकों को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिससे वे सुचारू रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कर सकें। बैठक के अंत में प्रखंड समन्वयक पंचायत राज ने उपस्थित सभी पंचायत सहायक और मोबाइलाइजर को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत किया तथा कार्यों के प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

● जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकता: उपायुक्त ● ऑन स्पॉट कई मामलों का किया गया निष्पादन ● जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधान- उपायुक्त

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर *उपायुक्त श्री मनीष कुमार* के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में

आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान बिजली विभाग से संबंधित मामले, प्रधान से संबंधित मामले, जमीन से संबंधित, सड़क आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह ने विश्व पृथ्वी दिवस मनाया, पर्यावरण को लेकर लोगों को किया जागरूक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव

बड़कागांव। विश्व पृथ्वी दिवस के पर एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल पृथ्वी के संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की गई। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मौके पर कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आवश्यक हैं। उन्होंने सभी से पृथ्वी के संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण को कम करने और वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम में एनटीपीसी के कई वरिष्ठ अधिकारीगण - वीरेंद्र कुमार (अपर महाप्रबंधक - पर्यावरण प्रबंधन), अमुदाला प्रताप (अपर महाप्रबंधक - कोयला प्रेषण), सदानंद चारि उत्नूरि (अपर महाप्रबंधक - माइनिंग) एवं पवन वसंतराव खांडवे (अपर महाप्रबंधक - माइनिंग) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे और इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर यह भी साझा किया गया कि अब तक पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा लगभग 6 लाख वृक्षों का रोपण किया जा चुका है, जिससे अनुमानित 42 लाख किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। परियोजना भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में कार्य करती रहेगी।

समाहरणालय में प्रोजेक्ट डिजिटली एजुकेशन एंड एंपावरिंग पाकुड़ (दीप) अंतर्गत खुला आधुनिक अबुआ संवाद कक्ष, उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- समाहरणालय स्थित प्रथम तल पर नवनिर्मित आधुनिक अबुआ संवाद कक्ष का मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने उद्घाटन किया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि समाहरणालय पाकुड़ में डिजिटल माध्यम से जनता तक पहुंच बनाने की एक अनूठी पहल की शुरुआत हुई है। यह हॉल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे प्रशासनिक कार्यों

को और अधिक प्रभावी और सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों के अनुभवों एवं सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता के साथ साझा करना है। अबुआ संवाद नाम से शुरू किए गए इस पॉडकास्ट चैनल पर सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि इस पहल को सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत और भ्रामक सूचनाओं से निपटने का एक प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफार्म के माध्यम के जरिए सकारात्मक और प्रेरणादायक कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। ऐसा यूनिक पॉडकास्ट झारखंड में कहीं भी नहीं बनाया गया है।

पी.एम—किसान योजना के लाभुकों के डाटा का भौतिक सत्यापन करने के लिए बी.डी.ओ संजय कुमार ने की बैठक दिये कई निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) प्रखंड कार्यालय के सभागार में पी.एम–किसान सम्मान निधि योजना की राशि प्राप्त करने वाले किसानों का डाटा सत्यापन करने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने लिट्टीपाड़ा अंचल के सभी ग्राम प्रधान, राजस्व उप निरीक्षक, कृषक मित्र, पंचायत स्वयं सेवक और जे.एस.एल.पी.एस कर्मियों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी कर्मियों एवं ग्राम प्रधान को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के योग्य लाभुकों के रूप में परिवारों के मुखिया को सम्मान राशि का भुगतान किया जाना है। कई स्थानों पर देखा गया है कि डाटा का भौतिक सत्यापन के अभाव में एक ही भूमि पर एक ही परिवार के कई सदस्यों द्वारा अपने आप को अगल-अलग परिवार के मुखिया दशाते हुए उक्त योजना का लाभ लिया जा रहा है। कुछ ऐसे भी लाभुक हैं, जो मृत है, संबंधित ग्राम के निवासी नहीं है, स्थायी रूप से गाँव से बाहर रहते है, बैंक खाता स्वयं का नहीं है या फिर 18 वर्ष से कम उम्र के है आदि कारणों का उक्त योजना से संबंधित लाभुकों के घर-घर जाकर लाभुको के दस्तावेज सत्यापन करने का निर्देश दिये।

साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के दिये गये ग्राम वार लाभुकों की सूची में लक्ष्य के अनुरूप प्रतिदिन भौतिक सत्यापन करते हुए उक्त दिवस को ही लाभुकवार भौतिक सत्यापन डाटा सह प्रतिवेदन अंचल कार्यालय लिटटीपाड़ा जमा करने का निर्देश दिये ताकि अवैध लाभुको के डाटा को स्टोप पेमेंट की श्रेणी में डाला जा सके।

इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रभारी अंचल निरीक्षक अनिल पहाड़िया, प्रखंड कृषि पदाधिकारी के. सी. दास, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रामेश्वर मुर्मू, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक जन्मजय बाउरी, सहित सभी अंचल के ग्राम प्रधान, राजस्व उप निरीक्षक, कृषक मित्र, पंचायत स्वयं सेवक एवं जेएसएलपीएस के कर्मी गण उपस्थित थे।

संघ में इजाजत : न्यौता या जाल !

विचार

> "वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है।

बादल सरोज

इन दिनों अब मुसलमानों पर नेह उमड़ रहा है। आजादी के बाद का सबसे बड़ा कानून बनाकर संपत्ति हड़पो घोटाला वक्फ कब्जा कांड करने के साथ ही देश के इस सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर बयान दागे जा रहे हैं। यह बात अलग है कि वे शब्दों में कुछ भी हों, भावों में और पंक्तियों के बीच के अर्थ में एक समान हैं। इसी तरह का एक बयान खुद संघ प्रमुख का है, जिसमें उन्होंने कहा है कि मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। इसी के साथ यह दावा भी किया है कि संघ किसी की पूजा पद्धति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे यहीं तक नहीं रुके, इससे आगे बढ़ते हुए यह भी बोले कि संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं है। संघ का दरवाजा हर जाति, संप्रदाय और धर्म के लिए खुला है। चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई–हर कोई इसमें शामिल हो सकता है। संघ मतलब आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत वाराणसी में यह एकदम नयी पेशकश तब कर रहे थे, जब होली और जुमे को लेकर उन्हीं कुनबे द्वारा घमासान मचाया जा चुका था। यह बात वे उस उत्तरप्रदेश में कह रहे थे, जिसमें ईद की नमाज को कहां, कैसे, कब पढ़ना है, की सख्त हिदायतें जारी की जा रही थी, खुले मैदानों की बात अलग रही, घर की छतों तक पर नमाज अदा करना प्रतिबंधित किया जा रहा था। यह बात वे तब कह रहे थे, जब उन्हीं के मंत्री, संत्री, मुख्यमंत्री, यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री मुसलमानों के खिलाफ उन्माद भड़काने में पूरे प्राणप्रण से जुटे हुए थे। हालांकि इस एलान के साथ उन्होंने 'शर्तें लागू' का किन्तुक-परंतुक भी जोड़ा है। इन शर्तों में भारत माता की जय का नारा स्वीकार करना और भगवा झंडे का सम्मान करना तो है ही, एक अतिरिक्त चेतावनी भी नत्थी कर दी है कि जो खुद को औरंगजेब का वारिस समझते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। और जैसा कि इस तरह के बयान देने के पीछे का मकसद होता है, इस बार भी था, वही हुआ; कईयों ने यह मानना शुरू कर दिया कि बताइये बेचारे को यूंही बदनाम करते रहते हैं, देखिये संघ तो मुसलमानों के लिए भी बाहें खोले खड़ा है। भले ही हिंदुत्व की विचारधारा से जुड़ा हो, लेकिन वह ऐसे मुस्लिमों को भी स्वीकार करने को तैयार है, जो भारत की संस्कृति को अपनाते हैं और राष्ट्रवाद में विश्वास रखते हैं। क्या सच में बात इतनी ही सीधी-सादी और सरल है? नहीं! यह औरंगजेब के नाम पर योजनाबद्ध तरीके से सुलगाई गयी ध्रुवीकरण की भट्टी में खुद श्रीमुख से सूखी लकडियाँ झोंके जाने की कोशिश है। क्या भारत में ऐसा कोई मुसलमान है, जिसने अपने आपको औरंगजेब का वारिस बताया हो? कोई नहीं। अविभाजित भारत को भी जोड़ लें, तो ऐसा कोई है, जिसने औरंगजेब को अपना पुरखा या किसी भी तरह का नायक बताया हो? हाँ, वंशावली के आधार पर देखा जाए, तो औरंगजेब की एक सचमुच की वारिस और निकटतम जैविक रिश्तेदार जरूर हैं और वे राजस्थान में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शोभा अवश्य बढ़ा रही हैं। बहरहाल बयानों की शिगूफेबाजी को अलग रखते हुए असल मुद्दे पर आते हैं कि जैसा कि भागवत साहब ने फरमाया है, क्या वैसा संघ में हो सकता है? क्या कोई मुसलमान या अहिंदू आरएसएस का सदस्य बन सकता है? बिल्कुल नहीं! पहली बात तो यह है कि खुद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कहना है कि उसकी कोई औपचारिक सदस्यता नहीं होती। जो लोग आरएसएस की शाखाओं में भाग लेते हैं, उन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है। अब स्वयंसेवक कौन बन सकता है? संघ के मुताबिक़ कोई भी हिंदू पुरुष स्वयंसेवक बन सकता है। यहां हिन्दू पुरुष पर गौर फरमाने की आवश्यकता है, क्योंकि यह वह संगठन है, जो दावा तो अखिल ब्रह्माण्ड के हिन्दुओं को एकजुट और संगठित करने का करता है, लेकिन जिसकी सदस्य महिलायें झ हिन्दू महिलायें भी - नहीं बन सकतीं। इसकी वेब साईट के एफएक्यू यानि 'फ्रीक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चंस' मतलब 'अक्सर पूछे जाने वाले सवालों' के अध्याय में लिखा गया है कि "उसकी स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने के लिए की गई थी और व्यावहारिक सीमाओं को देखते हुए संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती है, सिर्फ हिन्दू पुरुष ही इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके स्वयंसेवक बन सकते है। सौवें साल में भी संघ महिलाओं के प्रवेश के बारे में कोई पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है। बस इतना भर कहा गया है कि अपने शताब्दी वर्ष में महिला समन्वय कार्यक्रमों के ज़रिए वो भारतीय चिंतन और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। बहरहाल फिलहाल चूँकि भागवत साहब ने अपने संघ में हिन्दू महिलाओं की नहीं, 'म्लेच्छ' मुसलमानों के दाखिले की बात की है, इसलिए उसी पर संघ की धारणा और नीति पर नजर डालना ठीक होगा। मुसलमानों के बारे में संघ की सोच की झलक इसके दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर की किताब बंच ऑफ़ थॉट्स" में मिलती है। गोलवलकर ने लिखा था, "हर कोई जानता है कि यहां- भारत में - केवल मुट्ठी भर मुसलमान ही दुश्मन और आक्रमणकारी के रूप में आए थे। इसी तरह यहां केवल कुछ विदेशी ईसाई मिशनरी ही आए। अब मुसलमानों और ईसाइयों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। इसी रौ में वे आगे लिखते हैं कि वे मछलियों की तरह सिर्फ गुणन से नहीं बढे, उन्होंने स्थानीय आबादी का धर्मांतरण किया। हम अपने पूर्वजों का पता एक ही स्त्रोत से लगा सकते हैं, जहां से एक हिस्सा हिंदू धर्म से अलग होकर मुसलमान बन गया और दूसरा ईसाई बन गया। बाक़ी लोगों का धर्मांतरण नहीं हो सका और वे हिंदू ही बने रहे। यही वह किताब है, जिसमें गोलवलकर झ जिन्हें संघ अपना परम पूज्य गुरु मानता है ने मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को राष्ट्र का आंतरिक शत्रु बताया था। सनद रहे कि वर्ष 2018 में जब भागवत से गोलवलकर के उनकी किताब बंच ऑफ़ थॉट्स में मुसलमानों को शत्रु कहे जाने के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था कि बातें जो बोली जाती हैं, वह स्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संबंध में बोली जाती हैं, वह शाश्वत नहीं रहती हैं। अब गोलवलकर के विचारों के संकलन के नए संस्करण में आंतरिक शत्रु वाला प्रसंग हटा दिया गया है। कहने की जरूरत नही कि सिर्फ किताब में से ही हटाया गया है, एजेंडे में वह पहले से भी कही अधिक प्राथमिकता पर ले आया गया है। क्या इस सबसे भागवत जी ने किनारा कर लिया है? अब उनकी बाँहें और उनके संघ के दरवाजे मुसलमानों और बाकी अहिंदुओं के लिए खुल गए है? क्योंकि अगर ऐसा है, तो फिर इसे अपने संस्थापक के कहे से भी पल्ला झाड़ना होगा। अपने संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्वयं आरएसएस द्वारा प्रकाशित आधिकारिक जीवनी में से एक में यह साफ किया गया है कि हेडगेवार स्वतंत्रता संघर्ष से क्यों अलग हुए। जीवनी बताती है कि यह साफ़ है कि गांधीजी हिंदू-मुस्लिम एकता को हमेशा केंद्र में रखकर ही काम करते थे ... लेकिन डाक्टरजी को इस बात में खतरा दिखायी दिया। दरअसल वे हिंदू-मुस्लिम एकता के नए नारे को पसंद तक नहीं करते थे। 1937 में महाराष्ट्र के अकोला में सीपी एंड बरार (अब महाराष्ट्र) की हिन्दू महासभा के सावरकर की अध्यक्षता में हुए प्रांतीय अधिवेशन से लौटने पर, कांग्रेस छोड़ने की वजह पूछे जाने पर हेडगेवार का जवाब था क्योंकि कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास करती है। उनका मुस्लिम विरोध किस ऊंचाई का था, यह संघ के शुरुआती दिनों में उनके स्वयं के व्यवहार से समझ आ जाता है। उनकी एक जीवनी में बताया गया है कि मस्जिदों के आगे बैंड बाजा बजाने, शोर मचाने की कार्यविधि उन्हीं की खोज थी, जिसे संघ आज तक आजमा रहा है। जब कभी-कभी बैंड (संगीत) बजाने वाली टोली मस्जिद के सामने बैंड बजाने में हिचकिचाती थी, तो हेडगेवार "खुद ड्रम ले लेते और शांतिप्रिय हिंदुओं को उत्तेजित कर उनकी मर्दानगी को ललकारते थे।" गौरतलब है कि 1926 तक, मस्जिदों के बाहर ढोल-बाजे बजाना सांप्रदायिक दंगों के उकसाने की मुख्य वज़ह था। हेडगेवार ने हिंदुओं में आक्रामक सांप्रदायिकता उकसाने में निजी तौर पर भूमिका अदा की। इस तथ्य को उनके घनिष्ठ और आरएसएस के संस्थापक सदस्यों मे से एक रहे नागपुर की इस्पात मिल के मालिक अन्नाजी वैद का कथन पुष्ट करता है। उन्होंने बताया है : सन् 1926 में कई जगह हिंदू-मुसलमान दंगे होना प्रारंभ हुआ था। इसलिए हम लोगों ने तय किया कि हर एक मस्जिद के सामने से जुलूस निकलते समय ढोल बजने ही चाहिए। एक बार शुक्रवार के दिन जब वाद्य बजाने वाले एक मस्जिद के दरवाजे पर पहुंचे, तो संगीत बजाना बंद कर दिया। तब डाक्टरजी ने स्वयं ढोल खींच कर अपने गले में बांध कर बजाया। उसके बाद ही बाजा बजना प्रारंभ हुआ। क्या भागवत साहब ने हेडगेवार के इन सब किये-धरों को अनकिया करने का मन बना लिया है और सचमुच में आरएसएस को मुसलमानों और बाकी धर्मों के मानने वालों के लिए खोलने का फैसला कर लिया है? यदि हाँ, तो फिर वे अपने उस संविधान का क्या करेंगे, जिसमे कुछ और ही दर्ज किया हुआ है। गांधी हत्याकांड में प्रतिबंधित होने के बाद भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए और गोपनीयता से दूर रहते हुए और हिंसा से दूर रहते हुए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता देते हुए एक लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक संगठन के रूप में कार्य करने की अनुमति हासिल करने के लिए बनाये गये संघ के संविधान में क्या इसकी गुंजाइश है संघ के इस संविधान की शुरुआत ही हिन्दू समाज में अलग-अलग पंथों, आस्थाओं, जाति और नस्लों, राजनीतिक, आर्थिक, भाषायी, प्रांतीय फ़र्कों को समाप्त कर हिन्दू समाज का सर्वोन्मुखी उत्थान" करने के वाक्य से होती है। संघ के साथ जुड़ने का एकमात्र तरीका उसका स्वयंसेवक बनना है और संविधान में स्वयंसेवक बनने के लिए ली जाने वाली शपथ में दर्ज है कि "सर्वशक्तिमान श्री परमेश्वर तथा अपने पूर्वजों का स्मरण कर मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने पवित्र हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति तथा हिन्दू समाज की अभिवृद्धि कर भारत वर्ष की सर्वांगीण उन्नति करने क लिए मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का घटक बना हूँ ...।" इस संविधान का पहला लक्ष्य ही "हिन्दू समाज के विविध समूहों को साथ लाना, उन्हें धर्म और सस्कृति के आधार पर पुनर्जीवित और पुनः युवतर करने" का है। क्या मुसलमानों, सिखों और बाकियों को शामिल करने के लिए भागवत अपने संघ का संविधान बदलेंगे? वे कुछ नहीं बदलने वाले। अपने इस तरह के दिखावटी बयानों से भी वे अपने एजेंडे को ही आगे बढ़ाने का जाल बिछा रहे होते हैं। ऐसे भ्रामक, निराधार और कभी भी अमल में न लाये जा सकने वाले बयानों के जरिये जहां जनता के एक हिस्से में वे अपने सुधरे, सुथरे और भले रूप की मरीचिका का आभास देना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय के बारे ऐसा अहसास दिलाना चाहते हैं, जैसे वे इतनी बड़ी पेशकश को भी ठुकरा कर अपनी संकीर्णता का परिचय दे रहे हों।

(लेखक 'लोकजतन' के संपादक)

संपादकीय

बिलों पर कुंडली मार कर बैठना

गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

प्रमोद भार्गव

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्कृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके सांस्कृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गई है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है, बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के निदेशक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्धपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाई जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-शस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गई है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्कृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्कृत विष्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा

रचित 'नाट्य-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उक्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नााम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाट्य प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माइक्रो चिप है। इसे माइक्रो फिल्म रीडर के माध्यम से कंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला केंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाट्य-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाट्य-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशकुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होने इस विक्रमादित्य कथा का गद्यानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विक्रम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विक्रमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाई यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुक्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरिक्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी क्रम में गवर्नर एलफिंस्टन ने जब संस्कृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पश्चिमी और कतिपय एशियाई ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में फ्रेडरिक ने 350 संस्कृत ग्रंथों की सूची बनाई थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गई। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलफ्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्कृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गई। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांकृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वर्गीकरण किया। इसी वर्गीकृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय, एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर केंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वर्गीकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतर्निहित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गों में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूक्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुई। इसी क्रम में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रकृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्कृत में लिखी गई है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विष्वविद्यालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकर्त्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया। इस परिणाम से यह निष्कर्ष भी निकाला गया कि ग्वालियर में स्थित मंदिर की दीवार पर उत्कीर्ण शून्य का षिलालेख नौवीं शताब्दी का है, उससे भी पहले की यह पांडुलिपि है। इसमें एक ऐसे बिंदु का उल्लेख किया है, जो 'शून्य' का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे प्राचीन प्रतीक है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्राध्यापक मार्कस डू सौतॉय ने प्रतिपादित किया है कि आज हम जिस शून्य का प्रयोग करते हैं, वह प्राचीन भारत में प्रयोग में लाए गए 'बिंदु' से ही विकसित हुआ है। इस पांडुलिपि का आरंभिक लेखन शारदा लिपि में है। यह लिपि 8वीं से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण एशिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों और कश्मीर के भूखंडों में प्रचलित थी। शारदा लिपि संस्कृत के निकट मानी जाती है। ऋग्वेद में इन लिपियों के प्रारंभिक विकास के चरण पणिय और मग समुदाय के लोगों के द्वारा किए जाने के उल्लेख हैं। इस पांडुलिपि में गणितीय नियमों, उनमें आने वाली समस्याओं के हल उदाहरणों सहित उपलब्ध हैं। अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित और क्षेत्रमिति भी इसमें मिलते हैं। वर्गमूल, घनमूल स्वर्ण की गणना के साथ आय, व्यय, ब्याज और सरल समीकरणों का उल्लेख भी इस पांडुलिपि में है। बख्शाली पांडुलिपि में लिखे जाने से बहुत पहले से ही भारतीय मनीषियों ने इन गणितीय वैदिक ज्ञान के सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्रहण करा दिया था। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। सूत्रों को श्रुति परंपरा से मौखिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में ग्राह्य कराया। यही कालांतर में लिखित और मुद्रित रूपों में हमारे समक्ष हैं। दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूक्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। इसमें ग्रह नक्षत्रों के आधार पर व्यक्ति का भूत और भविष्य वांचने का दावा किया जाता है। रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में ऋग्वेद की ऋचाओं को विभिन्न विद्वानों के मतानुसार दो हजार से पचहत्तर वर्ष तक का प्राचीन माना है। इनमें सबसे उत्साहजनक दृष्टिकोण डॉ अविनाश दत्त का है। वे ऋग्वेद को पचास से पचहत्तर हजार वर्श पुराना मानते हैं। बहरहाल प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण तो जरुरी है ही, इनका अध्ययन भी जरूरी है।

छात्रों को अद्वितीय नौकरियों पर विचार क्यों करना चाहिए

विजय गर्ग

तेजी से विकसित होती दुनिया में, स्नातकों को अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने को गले लगाना चाहिए। सफलता अपने आप को फिर से तैयार करने और उत्सुक रहने पर निर्भर करती है। पिछले ज्ञान को जाने देने से नए दरवाजे खुलते हैं और कई जुनून को जोड़कर और एक बहु-विषयक मार्ग का पीछा करके, छात्र अपने लिए अद्वितीय अवसर पैदा कर सकते हैं। यहां तक कि माता-पिता भी गैर-पारंपरिक कैरियर पथ की पूर्ति और मूल्य के महत्व को समझते हैं। अज्ञात के लिए तैयार करने के लिए, स्नातकों को अपने जुनून पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उनकी समझ को गहरा करना चाहिए, और उन कनेक्शनों को ढूंढना चाहिए जो उन्हें बाहर खड़ा करते हैं। अपने आप को सच होने और विशिष्टता को गले लगाने से एक पूर्ण और समृद्ध भविष्य होता है। सफलता अनुकूलनशीलता, निरंतर सीखने, अनलर्निंग, किसी की सच्ची कॉलिंग खोजने और वित्तीय ज्ञान को एकीकृत करने में निहित है। हाई स्कूल स्नातक सफलता के लिए अपने स्वयं के अनूठे मार्ग का पालन करके आत्मविश्वास से विकसित दुनिया को नेविगेट कर सकते हैं। मौजूदा क्षेत्रों में विघटनकारी नवाचारों से परे, कई नए कैरियर के रास्ते सामने आए हैं, जो विविध हितों और जुनून वाले छात्रों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं। निम्नलिखित छात्रों के लिए इन रोमांचक नए युग के करियर में से कुछ हैं: ध्वनि इंजीनियरिंग और संगीत साउंड इंजीनियरिंग का क्षेत्र संगीत और ऑडियो उत्पादन के लिए प्यार वाले व्यक्तियों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करता है। साउंड इंजीनियर संगीत पटरियों को रिकॉर्ड करने, मिश्रण करने और माहिर करने के साथ-साथ लाइव प्रदर्शन और फिल्म निर्माण के

लिए ऑडियो समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र रचनात्मक स्वभाव के साथ तकनीकी विशेषज्ञता को जोड़ती है। कृत्रिम होशियारी एआई के उदय ने विभिन्न उद्योगों में संभावनाओं की दुनिया को खोल दिया है। एआई विशेषज्ञ एल्गोरिदम, मशीन लर्निंग मॉडल और बुद्धिमान प्रणालियों के विकास पर काम करते हैं। स्वायत्त वाहनों से लेकर व्यक्तिगत सिफारिश प्रणालियों तक, एआई पेशेवर डेटा और स्वचालन की शक्ति का उपयोग करके भविष्य को आकार देते हैं। डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन डिजिटल युग में, व्यवसाय अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और विज्ञापन पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। इस क्षेत्र में करियर में आकर्षक सामग्री बनाना, उपभोक्ता व्यवहार का विश्लेषण करना और उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है। डिजिटल विपणक ब्रांड की सफलता को चलाने के लिए रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक कौशल और रणनीतिक सोच को जोड़ते हैं। ड्रोन और रोबोटिक्स रोबोटिक्स का क्षेत्र आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ रहा है जो रोबोट और ड्रोन को डिजाइन करने और प्रोग्रामिंग करने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए अवसर प्रस्तुत करता है। रोबोटिक्स इंजीनियर विनिर्माण और स्वास्थ्य सेवा से लेकर रसद और मनोरंजन तक के उद्योगों के लिए रोबोट विकसित करते हैं। इस क्षेत्र में इंजीनियरिंग कौशल और नवाचार के लिए एक जुनून के मिश्रण की आवश्यकता होती है। जैसा कि नौकरी का बाजार विकसित होता है, स्नातकों के लिए उनके लिए उपलब्ध नए युग के कैरियर विकल्पों का पता लगाना आवश्यक है। ये क्षेत्र न केवल रोमांचक अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि दुनिया में एक सार्थक प्रभाव बनाने का मौका भी प्रदान करते हैं। प्रौद्योगिकी, नवाचार और रचनात्मकता की शक्ति को गले लगाकर, छात्र एक सफल और पूर्ण कैरियर का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजा)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का व्यय 2014 में 29 प्रतिशत से बढ़कर आज 48 प्रतिशत हो गया : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सिविल सेवा दिवस समारोह के दौरान 'आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्वास्थ्य भारत को बढ़ावा देना' शीर्षक से सत्र की अध्यक्षता की। इस मौके पर अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि देश के हर गरीब व्यक्ति को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एबी पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) एक बहुत ही सुविचारित प्रक्रिया का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर 2015 में परामर्श शुरू हुआ, 2016 में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए । 2016 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति तैयार की गई जो स्वास्थ्य सेवा के सभी पहलुओं को समग्र रूप से कवर करने वाली पहली ऐसी नीति है। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का व्यय 2014 में 29 प्रतिशत से बढ़कर आज 48 प्रतिशत हो गया

है, जिससे लोगों के जेब से होने वाले खर्च में कमी आई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की जांच और वहां प्रदान की जा रही सेवाओं के पैकेज का विस्तार करने से निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की बढ़ती चिंता को दूर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक 2022 और राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के तहत स्व-मूल्यांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने समय पर और प्रभावी निर्णय लेने, कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं पर काम करने, आशा कार्यकर्ताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने, डिजिटल स्वास्थ्य हस्तक्षेप के हब-एंड-स्पोक मॉडल को मजबूत और संस्थागत बनाने तथा स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी और आकलन करने के लिए स्वास्थ्य प्रशासकों की क्षमता बढ़ाने पर भी प्रकाश डाला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कम धन उपलब्ध कराने की कहानी जल्द ही समाप्त हो जाएगी। नड्डा ने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यक्रमों से जमीनी स्तर पर प्राप्त फायदों के प्रभाव का सर्वेक्षण करवाएं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा में जबरदस्त प्रगति हुई है, लेकिन सरकार सभी के लिए सस्ती, सुलभ, समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी. के. पॉल ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लक्ष्य को प्राप्त करना है, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक नागरिक को वित्तीय कठिनाई के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य कवरेज में न केवल उपचारात्मक उपचार शामिल है, बल्कि प्रोत्साहन, निवारक, उपशामक, पुनर्वास भी शामिल है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनावः लेफ्ट और राइट संगठनों ने दिखाई ताकत, मशाल जुलूस में नारेबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्रसंघ चुनाव से पहले लेफ्ट संगठन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।दोनों संगठनों ने अपने-अपने चार उम्मीदवारों के साथ सैकड़ों समर्थकों के साथ विशाल मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर नारेबाजी हुई, जिससे कैंपस का माहौल तनावपूर्ण हो गया।एबीवीपी ने देर रात गंगा ढाबा से मशाल जुलूस शुरू किया। भगवा झंडे लहराते हुए और ढोल की थाप पर समर्थक जय श्री राम और जय भवानी के नारे लगाते हुए कैंपस में घूमे। दूसरी ओर, लेफ्ट यूनिटी (आइसा और डीएसएफ) ने साबरमती ढाबा से अपने चार उम्मीदवारों के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान उनके समर्थकों ने विवादित नारा जो मुखिया की चाल चलेगा, वो मुखिया की मौत मरेगा लगाया।

एक समय ऐसा आया जब दोनों संगठनों के जुलूस आमने-सामने हो गए। नारेबाजी और तनाव बढ़ता देख जेएनयू सुरक्षा कर्मियों और सादे वेश में मौजूद दिल्ली पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों समूहों को अलग-अलग रास्तों पर ले जाकर स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, जेएनयू के मुख्य चुनाव आयोग ने पिछले शुक्रवार को हुए हंगामे और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए चुनाव प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है। हालांकि, दोनों संगठनों को भरोसा है कि चुनाव तय तारीखों पर ही होंगे। उनके अनुसार, 23 अप्रैल को प्रेसिडेंशियल डिबेट और 25 अप्रैल को मतदान होगा। इसी विश्वास के साथ दोनों पक्ष चुनाव प्रचार में जुटे हैं। लेफ्ट संगठन और एबीवीपी दोनों ही अपने-अपने समर्थकों के साथ कैंपस में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। मशाल जुलूस के जरिए दोनों ने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री मोदी ने बदली भारत की तक़दीर और तस्वीर : जयवीर शेरगिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने आज नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस अवसर पर शेरगिल अपने पिता, माता, पत्नी और बेटी के साथ मौजूद थे। भेंट के बाद, शेरगिल ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए अपना आभार व्यक्त किया। एक भावुक संदेश में उन्होंने लिखा,परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। प्रधानमंत्री जी ने मेरे पूरे परिवार को जिस स्नेह और सम्मान से नवाज़ा, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। बच्चों की मासूमियत, बड़ों की बुद्धिमत्ता और एक युवा कार्यकर्ता के दिल से जुड़ने की उनकी क्षमता वास्तव में प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री की परिवर्तनकारी नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए उन्होंने आगे लिखा: प्रधानमंत्री जी ने अपने कठिन परिश्रम और दूरदृष्टि से भारत की तक़दीर और तस्वीर बदल दी है। पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत के प्रति उनका अटूट स्नेह उनके हर शब्द और कार्य में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। जयवीर शेरगिल ने अंत में प्रधानमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन और आशीर्वाद के लिए गहन कृतज्ञता व्यक्त की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के लिए रवाना, भारत-सऊदी संबंधों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए रवाना हुए। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री, महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है। अपने इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी भारत-सऊदी अरब के ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करने के लिए चर्चा करेंगे। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि क्षेत्रीय शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद से भारत और सऊदी अरब के साथ-साथ खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में भारत-सऊदी संबंधों ने रणनीतिक गहराई और गति प्राप्त की है। पीएम मोदी की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा है, जबकि उनसे पहले भारत के सभी प्रधानमंत्री पिछले तीन दशकों में कुल मिलाकर तीन बार सऊदी अरब गए थे। यह खाड़ी क्षेत्र के किसी देश की भारतीय प्रधानमंत्री की 15वीं यात्रा भी है। सऊदी अरब रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा, ÷मैं जेद्दा, सऊदी अरब जा रहा हूं। वहां मेरी कई बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल होने की योजना है। भारत सऊदी अरब के साथ अपने पुराने रिश्तों को बहुत महत्व देता है।

दिल्ली में फिर से बम की अफवाह, इस बार सरकारी दफ्तर निशाने पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कई सरकारी दफ्तरों में बम होने की सूचना दी गई। हालांकि, जांच के बाद बम की सूचना महज अफवाह निकली, लेकिन इससे दफ्तरों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि दिल्ली के नजफगढ़, द्वारका और कापसहेड़ा स्थित एसडीएम ऑफिसों में बम होने की सूचना पुलिस को मिली। यह सूचना एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए संबंधित स्थानों को घेर लिया और एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, डीडीएमए, और बम निरोधक दस्तों सहित कई एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर सघन जांच अभियान चलाया। घंटों की जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह एक फर्जी ईमेल था और इन कार्यालयों में बम जैसी कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। हालांकि, सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सभी जरूरी कदम उठाए गए और किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए एजेंसियों ने पूरी सतर्कता बरती। पुलिस अब इस फर्जी ईमेल की जांच कर रही है कि इसे किसने और क्यों भेजा। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

उपराज्यपाल ने दिए मुस्तफाबाद हादसे की व्यापक मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुस्तफाबाद के दयालपुर में एक चार मंजिला आवासीय इमारत के ढहने की घटना की व्यापक मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिये हैं। हादसे में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए। उपराज्यपाल ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट को जांच करने और हादसे के पीछे के कारणों का पता लगाने को कहा है। मजिस्ट्रेट को 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। राज निवास की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया, दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच को मंजूरी दे दी है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट जांच करेंगे और 15 दिनों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। इस मामले में दिल्ली नगर निगम को अनाधिकृत निर्माण के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इस मामले की अलग से जांच का आदेश दिया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने मुख्यमंत्री रेड्डी की विदेश यात्रा पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि जब राज्य में अकाल वर्षा और ओलावृष्टि के कारण हजारों एकड़ फसलें नष्ट हो चुकी हैं और किसान गहरे संकट में हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जापान यात्रा के नाम पर विदेश चले गए हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कम से कम मंत्रियों को निर्देश देने की मांग की ताकि वे संकटग्रस्त किसानों की मदद कर सकें। उन्होंने दोहराया कि पुराने शहर रात तक वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में हुई जनसभा निस्संदेह कांग्रेस द्वारा प्रायोजित थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों के बड़े लुटेरे इस सभा में इकट्ठा हुए और भाजपा पर ज़हर उगला। बंदी संजय ने कहा कि मजलिस नेता ज़हरीले सांपों से भी अधिक खतरनाक हैं- वे मुस्लिमों से प्रेम का नाटक कर रहे हैं, लेकिन वक्फ की संपत्तियों को लूटकर उन्हें झोपड़ पट्टियों में धकेल रहे हैं। आज पीड़ापल्ली जिले में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और मजलिस पार्टियों के रवैये की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दारुस्सलाम में मजलिस द्वारा आयोजित जनसभा पूरी तरह से कांग्रेस प्रायोजित थी। रेवंत रेड्डी की सरकार ने इसके योजनाकार, क्रियान्वयनकर्ता और वित्तपोषक की भूमिका निभाई। वक्फ संपत्तियों को लूटने वाले सभी बड़े चोर एक साथ आए ताकि मुस्लिम समुदाय को गुमराह कर सकें। जैसे ज़हरीले सांप होते हैं, वैसे ही ये मजलिस नेता मुस्लिमों से झूठा प्रेम दिखाकर वक्फ संपत्तियों को हड़प रहे हैं और उन्हें गंदगी में धकेल रहे हैं- वे और भी खतरनाक हैं।बंदी संजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें अंबेडकर का सच्चा उत्तराधिकारी बताया। उन्होंने संसद में मोदी के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अंबेडकर की आरक्षण की वजह से प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि मोदी लगातार अंबेडकर के विचारों को साकार करने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मोदी ने अंबेडकर की विरासत को अमर करने के लिए हर प्रयास जारी है। बंदी ने कहा कि भाजपा ही वह सच्ची पार्टी है जो दलितों और पिछड़े वर्गों को सशक्त बना रही है, जबकि ओवैसी को अंबेडकर का नाम लेने का भी अधिकार नहीं है। बंदी संजय ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर रहे नेताओं से पूछा, केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट के अनुसार देश में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी कीमत 10 लाख करोड़ से अधिक है। क्या यह सच नहीं है कि इनमें से आधे से अधिक पर वक्फ बोर्डों के नाम पर कब्जा कर लिया गया है? इन संपत्तियों से सालाना 12,000 करोड़ से अधिक की आय होती है- क्या आप ही लोग वह पैसा नहीं हड़प रहे?

प्रधानमंत्री और अमेरिकी उपराष्ट्रपति की मुलाकात, द्विपक्षीय व्यापार समझौते में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के बीच हुई मुलाकात में भारत-यूएस द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आज एक बयान जारी करते हुए कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस दिशा में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, ÷दोनों देशों के लोगों के कल्याण पर केंद्रित पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का उन्होंने स्वागत किया। इसी तरह, उन्होंने ऊर्जा, रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकियों और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जारी प्रयासों को सराहा।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की। साथ ही विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और आगे बढ़ने के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात के दौरान जनवरी में उनकी वाशिंगटन डी.सी. की यात्रा

को याद किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उत्पादक चर्चा की थीं। इसने भारत और अमेरिका के बीच निकट सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया था।प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति, उनकी पत्नी उषा वेंस और उनके बच्चों को भारत में सुखद और उत्पादक प्रवास की शुभकामनाएं दीं। साथ ही, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को अभिवादन भेजा और इस साल के अंत में उनके भारत आने की आशा व्यक्त की।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति चार दिवसीय भारत यात्रा पर आज दिल्ली पहुंचे। दिन में वे परिवार सहित अक्षरधाम मंदिर गए। उनका आगे जयपुर और आगरा जाने का कार्यक्रम है।

भाजपा सांसद ने खास 'बैग' से गांधी परिवार को घेरा, 'नेशनल हेराल्ड' मामले पर पूछे तीखे सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज संसद भवन में 'एक देश, एक चुनाव की संयुक्त संसदीय समिति' की बैठक में शामिल होने पहुंची, तो उनके बैग ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के बैग पर लिखा था, 'नेशनल हेराल्ड की लूट।' उन्होंने अपने बैग के जरिए गांधी परिवार पर सांकेतिक तरीके से निशाना साधने की कोशिश की। इसके साथ ही इसी संबंध में उनका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर सवाल उठाती दिख रही हैं। इस वीडियो में भाजपा सांसद

कहती हुई नजर आ रही हैं, यह पहली बार है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानी मीडिया को लेकर भी भ्रष्टाचार हुआ है। हाल ही में जो चार्जशीट ईडी ने दाखिल की है, उससे कई तरह के गंभीर आरोप उजागर होते हैं, इसमें कांग्रेस की एक पुरानी कार्यशैली उभरकर सामने आ रही है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, वह सेवा की आड़ में अपनी व्यक्तिगत संपत्ति बढ़ाने में जुटी है। यह बहुत ही गंभीर मामला है। दो हजार करोड़ रुपए की संपत्ति कौड़ियों के भाव मात्र 50 लाख रुपए में यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी ने हड़प ली। यह ऐसी कंपनी है, जिसका 76 फीसदी स्वामित्व गांधी परिवार के पास है, इसलिए उनकी जवाबदेही बनती है, न केवल देश की जनता के सामने, बल्कि 25 अप्रैल को कोर्ट के सामने भी। खास बात यह है कि भाजपा के तमाम दिग्गज नेता नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस और गांधी परिवार पर सवालिया निशान उठा रहे हैं। भाजपा का कहना है कि नेशनल हेराल्ड मामले से कांग्रेस पार्टी का असली चरित्र देश की जनता के सामने आ गया है। कांग्रेस और गांधी परिवार ने जिस तरह से नेशनल हेराल्ड घोटाले को अंजाम दिया, उसके लिए उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

मेयर और डिप्टी मेयर के लिए नामांकन, भाजपा- कांग्रेस मैदान में, आप ने बनाई दूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। आज नामांकन भरने की अंतिम तिथि थी। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है। भाजपा की ओर से वरिष्ठ नेता राजा इकबाल सिंह ने मेयर पद के लिए और जय भगवान यादव ने डिप्टी मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल किया। राजा इकबाल सिंह वर्तमान में दिल्ली नगर निगम में विपक्ष के नेता हैं और मुखर्जी नगर, वार्ड संख्या-13 से पार्षद हैं। जय भगवान यादव बेगमपुर, वार्ड संख्या-27 से पार्षद हैं। इकबाल सिंह और जय भगवान यादव ने सांसद हर्ष मल्होत्रा, योगेन्द्र चंदोलिया और कमलजीत सिंह सहरावत की उपस्थिति में आज नामांकन दाखिल किया। आआपा के मेयर चुनाव में भाग नहीं लेने को भाजपा के मेयर पद के उम्मीदवार राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली की जनता की जीत बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आआपा सरकार से तंग आ चुकी थी। अब ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी और दिल्ली का विकास शुरू होगा। पूरे सिविक सेंटर में कमल खिलेगा। हमें लोगों का भरपूर समर्थन मिला है।

नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक जनोन्मुखी बनाना है : अमित शाह

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक जनोन्मुखी बनाना है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार से समन्वय और तत्परता की अपेक्षा जताई। शाह सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य की प्रशासनिक और तकनीकी तैयारियों की समीक्षा और कर रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में हुई इस बैठक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन और नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा हुई। इसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार के अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने शीघ्र नए क़ानूनों

को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। इससे पूर्व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में बताया कि छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियाँ पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50 फीसद मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से पिथौरागढ़ के रास्ते होगी प्रारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पांच साल बाद 30 जून से शुभारंभ होगा। यात्रा का संचालन उत्तराखण्ड सरकार एवं विदेश मंत्रालय करेगा। इस वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सम्बन्ध में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में आयोजित बैठक में कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सकुशल संचालन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 का संचालन कुमाऊं मण्डल विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ होकर पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित की जाएगी। यात्रा 30 जून से प्रारम्भ होगी, जिसमें 50-50 व्यक्तियों के कुल 5 दल (कुल 250 व्यक्तियों) द्वारा यात्रा की जाएगी।जनपद पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा कोविड-19 संक्रमण और चीन के साथ संबंधों के बिगड़ने के कारण वर्ष 2020 से संचालित नहीं हुई। चीन के साथ संबंधों के सामान्य होने के बाद से विदेश मंत्रालय चीन सरकार के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर बातचीत कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी। कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाला प्रथम दल 10 जुलाई को लिपुलेख पास से होते हुए चीन में प्रवेश करेगा तथा अन्तिम यात्रा दल 22 अगस्त को चीन से भारत के लिए प्रस्थान करेगा। प्रत्येक दल दिल्ली से प्रस्थान कर टनकपुर में 01 रात्रि, धारचूला में 01 रात्रि, गुंजी में 02 रात्रि तथा नाभीढांग में 02 रात्रि रुकने के बाद (तकलाकोट) चीन में प्रवेश करेगा। कैलाश दर्शन के उपरान्त वापसी में चीन से प्रस्थान कर स्थान बूंदी में 01 रात्रि, चौकोड़ी में 01 रात्रि, अल्मोड़ा में 01 रात्रि रुकने के बाद दिल्ली पहुंचेगा। इस प्रकार यात्रा के दौरान प्रत्येक दल द्वारा कुल 22 दिनों की यात्रा की जाएगी। यात्रा करने वाले सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वप्रथम दिल्ली में किया जाएगा तथा गुंजी (पिथौरागढ़) पहुंचने पर आई.टी.बी.पी. के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

भाजपा के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की शुरुआत, दिल्ली में 5 मई तक चलेगा अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की शुरुआत हो गई है। इस अभियान को सफल बनाने के मकसद से दिल्ली भाजपा ने एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी एवं प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, संयोजक आतिफ रशीद, अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश प्रभारी कारी मोहम्मद हारून, अध्यक्ष अनीश अब्बासी मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने मुस्लिम समाज को वक्फ संशोधन अधिनियम से मिलने वाले लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच मई तक मंडल स्तर पर इस जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया है ताकि विपक्ष द्वारा दिल्ली के लोगों को वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया जा सके। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार किसी भी हालत में वक्फ बोर्ड को कमजोर नहीं करना चाहती है बल्कि उसे लौह स्तंभ की तरह और मजबूत करना चाहती है, इसके लिए कुछ संशोधन

किए गए हैं। इसे देश के मुसलमानों को धैर्यपूर्ण समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से देश के अनेकों राज्यों में भाजपा सरकार वक्फ़ प्रॉपर्टियों को कब्जे से मुक्त करवाएगी और गरीब, पिछड़े मुस्लिमों को उनका हक दिलवाने का काम करेगी। इसी कारण इन प्रॉपर्टी चोरों पर नकेल कसने के लिए ही ये संशोधन अधिनियम लाया गया है। जमाल ने कहा कि आने वाले समय में भारत में मुसलमानों का विकास होने से कोई रोक नहीं सकता क्योंकि दुनिया में लोगों का भला करने के लिए अल्लाह अपना एक बंदा भेजता है और हमारे बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्लाह के उसी बंदे के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर भाजपा दिल्ली प्रदेश के महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि वक्फ़ बोर्ड का मतलब भ्रष्टाचार का अड्डा था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के चलते और देश के मुसलमानो के अधिकारों की रक्षा करते हुए इस विधेयक को संसद से पास करवाया। अब इस कानून से भ्रष्टाचारियों द्वारा कब्जाई जमीनें मुक्त हो सकेंगी और जरूरतमंदों के हितों में काम आ सकेंगी। अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष अनीश अब्बासी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास का विस्तार हो रहा है जिसमें महिलाओं की सहभागिता को प्रमुख रूप से देखा जा रहा है।

दिल्ली में भीषण गर्मी और बिजली कटौती पर आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बढ़ती गर्मी और लगातार हो रही बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान हैं। रविवार को दिल्ली में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, और इस भीषण गर्मी के बीच कई इलाकों में रात के समय घंटों तक बिजली गुल रही। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सवाल किए हैं। आतिशी ने कहा कि राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में लंबे-लंबे पावरकट लगे हैं, जिससे लोग बेहद मुश्किल में हैं। लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा है कि दिल्ली में कहीं कोई बिजली कटौती नहीं हो रही और लोग खुद कैंडल लाइट डिनर करने के लिए अपनी लाइटें बंद कर रहे हैं। आतिशी ने सवाल किया, क्या सोशल मीडिया पर सभी दिल्लीवासी झूठ बोल रहे हैं? क्या सभी ने कैंडल लाइट डिनर करने के लिए अपनी लाइटें बंद कर मोमबत्तियां जला ली हैं? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को दिल्लीवासियों का मजाक उड़ाने के बजाय बिजली समस्या का समाधान करना चाहिए। आतिशी ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे उन्हें देर रात तक अलग-अलग इलाकों से बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि भजनपुरा में रात 11:05 बजे बिजली गुल होने की शिकायत, संगम विहार (सी-ब्लॉक) में रात 12:44 बजे बिजली न होने की जानकारी, कमला नगर में रात 1:51 बजे एक घंटे से ज्यादा की बिजली कटौती, जीवन पार्क, उत्तम नगर में रात 1:52 बजे एक घंटे से ज्यादा बिजली गुल, सेक्टर 2, द्वारका में रात 1÷53 बजे से दो घंटे से ज्यादा बिजली नहीं, सोनिया विहार में सुबह 4÷16 बजे से लगातार बिजली नहीं, भोगल में सुबह 4÷26 बजे से एक घंटे से ज्यादा की बिजली कटौती। आतिशी ने दावा किया है कि ये सब शिकायतकर्ता भाजपा समर्थक हैं। इसके अलावा, कोटला मुबारकपुर के लोगों ने लगातार वोल्टेज फ्लक्चुएशन की शिकायत की। नेता प्रतिपक्ष ने दोहराया कि दिल्ली में जगह-जगह से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं। क्या यह सब झूठ है? क्या कमला नगर, संगम विहार, भोगल, उत्तम नगर जैसे इलाके काल्पनिक हैं? आतिशी ने मुख्यमंत्री से अपील की कि जनता की पीड़ा को समझें और उसका हल निकालें। उन्होंने कहा, दिल्लीवाले पावरकट नहीं चाहते।

संक्षिप्त समाचार

शादी की खुशियाँ मातम में बदली: आर्थिक तंगी से झगड़े के बाद युवक ने की आत्महत्या

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के तिसरी थाना क्षेत्र के पन्नाटांड़ गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शादी की तैयारियों के बीच अनाज और बारात जाने के लिए किराए की कमी को लेकर पिता से हुए विवाद के बाद विजय मरांडी नामक युवक ने जंगल में जाकर आत्महत्या कर ली। रविवार को उसकी बारात निकलनी थी, लेकिन शादी वाले घर में खुशियों की जगह अब मातम पसरा हुआ है। दो दिन की तलाश के बाद मंगलवार को उसका शव गांव से तीन किलोमीटर दूर रोहनटांड़ के जंगल में पेड़ से झूलता मिला। मृतक की मां ने बताया कि विजय अपनी पसंद की लड़की से शादी कर रहा था, लेकिन आर्थिक तंगी ने उसकी जिंदगी छीन ली।

किसान जनता पार्टी की बैठक में जमीन सर्वे के लिए जागरूकता अभियान

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह किसान जनता पार्टी ने मंगलवार को झंडा मैदान गिरिडीह में एक बैठक आयोजित की, जिसमें किसानों को जमीन सर्वे के लिए जरूरी तैयारी और सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया। पार्टी के केंद्रीय कमिटी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड सरकार ने छह महीने के भीतर जमीन सर्वे पूरा करने का हलफनामा दिया है, और गिरिडीह जिले में भी जल्द सर्वे शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि कई अंचल अधिकारियों ने किसानों की जमीनों में गड़बड़ी की है, जिससे किसान अनजान हैं। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मौजा अध्यक्षों की मदद से भ्रष्टाचार को समाप्त करने और बिना घूस के रजिस्टर टू हासिल करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा, प्रशासन द्वारा वादा किए गए समय सीमा के भीतर रजिस्टर टू प्राप्त नहीं होने पर संघर्ष जारी रखने की चेतावनी दी गई।

गिरिडीह में 10 मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

- तैयारियों को लेकर विभागीय बैठक सम्पन्न

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह व्यवहार न्यायालय परिसर में आगामी 10 मई, 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए आज विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन माननीय झालसा, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह, श्री अरविन्द कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। सचिव श्री सफदर अली नैयर ने बताया कि अदालत में वन विभाग, उत्पाद विभाग व बैंक संबंधित सुलहनीय मामलों का निपटारा आपसी सहमति के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस जनहितकारी पहल को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

अर्जुनडीह गांव के कार चालक की कंडा घाटी में सड़क दुर्घटना में मौत, चार लोग घायल, बारात से लौटने के क्रम हुई दुर्घटना

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के अर्जुनडीह गांव निवासी कार चालक सत्येंद्र यादव उर्फ गुड्डू, उम्र 26 वर्ष की सोमवार सुबह करीब 4 बजे तेज रफ्तार हाइवा के द्वारा कार को टक्कर मारने से मौत हो गई है। घायलों में खोड़ी मनीष यादव उम्र 28 साल, सतीश यादव उम्र 22 साल,राजू यादव उम्र 23 साल एक अन्य लोग शामिल हैं। घायलों का इलाज मेदिनीनगर में चल रहा है। ब्रेजा कार चालक सत्येंद्र यादव अपने ममेरे भाई के शादी में बारात लेकर खोड़ी गांव से गढ़वा जिले के रामकंडा गया हुआ था। बारात से वापस लौटने के क्रम में नावा थाना के कंडाघाटी में सामने से आ रही हाईवे ने कार की टक्कर मारकर फरार हो गया। वहीं इस दुर्घटना से शादी का खुशी गम में बदल गई। और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना को जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सांसद मनीष जायसवाल ने जिले में 108 एम्बुलेंस की दयनीय स्थिति पर लिया संज्ञान

- सांसद के निर्देश पर उनके लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने सीएस से की मुलाकात
- एम्बुलेंस विहीन टाटीझरिया प्रखंड में अविलंब एम्बुलेंस सुविधा बहाल कराने सहित अन्य क्षेत्रों में एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का किया आग्रह
- सीएस ने दिया आश्वासन, टाटीझरिया में जल्द 108 एंबुलेंस सेवा होगा बहाल, अन्य क्षेत्रों में भी सेवा होगा सुदृढ़

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिले में 108 एम्बुलेंस सेवा की दयनीय स्थिति और विशेषकर जिस प्रखंड क्षेत्र में 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता नहीं है वहां तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने की मांग को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मंगलवार को हजारीबाग जिले के सिविल सर्जन डॉ.सरयू प्रसाद सिंह उर्फ़ डॉ. एस.पी.सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाक़ात की और विस्तार से चर्चा किया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने सीएस से पूरे हजारीबाग

जिले में 108 एम्बुलेंस सेवा सुदृढ़ कराने, मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया प्रखंड में बीते श्रावणी मेला-2024 के समय से इस प्रखंड में एम्बुलेंस विहिन रहने और एक्सीडेंटल जोन वाले इलाके चौपारण, बरही, चरही, टाटीझरिया, विष्णुगढ़, बड़कागांव, केरेडारी, कटकमसांडी रोड़ और डेमोटांड़ क्षेत्र में प्रयाप्त मात्रा में 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की मांग की।

सांसद मनीष जायसवाल के हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी के बातों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सीएस डॉ.एस.पी.सिंह ने जिले के 108 एम्बुलेंस को-ऑर्डिनेटर को एम्बुलेंस विहीन टाटीझरिया प्रखंड में अविलंब 108 एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का दिशा- निर्देश दिया। अन्य क्षेत्रों में भी एम्बुलेंस की सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा की रीढ़ है और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र विशेष कर एक्सीडेंटल जोन इलाके में एम्बुलेंस की समुचित उपलब्धता से जरूरतमंद मरीजों की जीवन रक्षा हो सकेगी और उन्हें इलाज में इसका लाभ मिलेगा।

रक्तदान को बनाइये अभियान, रक्तदान करके बचाइये जान

- समाहरणालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कई अधिकारियों व आमजनों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग, गिरिडीह के तत्वाधान में समाहरणालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाहरणालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 34 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। रक्तदान शिविर में गिरिडीह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी समेत कई अधिकारियों व कर्मचारियों व आमजनों ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस संबंध में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने आमजनों से रक्तदान की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान से न केवल राष्ट्रीय आवश्यकता पूरी होती है बल्कि यह समाज एवं मानवता प्रति एक बड़ी सेवा भी है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता

है। इस पुनीत कार्य में सभी को जुड़ रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को, रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। साथ ही सभी से रक्तदान करने की अपील की और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने को कहा। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि गिरिडीह जिले मे खून की कमी से किसी की मौत न हो। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समय समय पर जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिकाधिक संख्या में रक्त का संग्रह किया जाय और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाय।

सिलदाग नवनिर्मित उच्च विद्यालय की जांच करने पहुंचे जिला इंजीनियर समेत कई अधिकारी, डीसी ने लिया है संज्ञान

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। उपायुक्त शशि रंजन के आदेश पर छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत सिलदाग पंचायत में स्थित नवनिर्मित उच्च विद्यालय की जर्जर अवस्था और भवन निर्माण की क्वालिटी जांच करने मंगलवार दोपहर 2 बजे जिला इंजीनियर समेत कई अधिकारी भवन निर्माण स्थल पहुंचे। और सभी नवनिर्मित हाई स्कूल के सभी रूम, बरामदे समेत पीलर आदि की जांच किया गया। जिसमे भवन निर्माण की गुणवत्ता में अनियमित देखा गया। जिसका जांच रिपोर्ट तैयार किया गया है। साथ ही जिला अभियंता ने बताया कि जल्द ही विद्यालय की अनियमित कार्य को ठीक कर दिया जाएगा। आपको बताते चले कि बीते महीने ग्रामीणों की शिकायत के बाद पलामू उपायुक खुद भवन निर्माण गुणवत्ता जांच करने सिलदाग पहुंचे हुए थे। और अनियमित को देखते हुए जांच कमेटी गठित कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ आज सफलता पूर्वक समाप्त हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
आई एम कादरी-कांडी: गढ़वा
गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड अंतर्गत पंचायत राणाडीह ग्राम सोहगाड़ा में आज देर शाम मां भगवती देवी अचल प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ सफलता पूर्वक समाप्त हो गया ईए महा यज्ञ लगातार 6 दिन तक चला ईए महा यज्ञ तारीखा 17/4/2025 दिन गुरुवार से शुरू हुआ था जिसमें काशी के श्रेष्ठ विद्वान आचार्यों द्वारा विधि विधान से पूजा पाठ कर प्राण प्रतिष्ठा का कार्य संगीतमय तरीके से किया गया और अंतिम दिन होने के कारण सैकड़ों लोग भंडारा में शामिल हुए और दोपहर 2 बजे से देर शाम तक भंडारा चलता रहा और गांव के लोग के साथ साथ बाहरी के लोग भी भंडारा में शामिल हुए और काफी प्रशंसा भी किए और समापन के दिन दोपहर करीब ढाई बजे युवा समाजसेवी एवं सपा नेता अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू सिंह पूजा स्थल पर पहुंचे और सोहगाड़ा गांव के सभी आयोजकों और भक्तों को इस सफल कार्य के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने कहा कि ईए कार्य हमारे छेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर था और ऐसे कार्य बार बार देखने को नहीं मिलता। उन्होंने काफी देर तक अपने हाथों से भंडारा में प्रसाद भी वितरण किया और उनके हाथों से ले लेकर लोगों ने खूब दिलचस्पी से खाए

जमुआ: उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुम्मा में बच्चों ने मनाया पृथ्वी दिवस

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुम्मा में पृथ्वी दिवस मनाया गया। बच्चों ने धरती बचाओ, जीवन बचाओ नारे के साथ इस पृथ्वी को हरा भरा रखने का संकल्प लिया। बच्चों में पृथ्वी दिवस के महत्व एवं पृथ्वी रक्षा हेतु पर्यावरण का संरक्षण कितना आवश्यक हैं बताया गया। पहली बार पृथ्वी दिवस का आयोजन 1970 में हुआ था और

आज यह लगभग 170 से ज्यादा देशों के द्वारा मनाया जाता है। पृथ्वी का 29 प्रतिशत ही भूभाग है जिसपर सभी प्रकार के प्राणी निवास करते हैं शेष 71 प्रतिशत जल है। बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए विद्यालय की सहायक अध्यापिका फूलमती कुमारी ने कहा कि पृथ्वी दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है और आज हमसभी को पर्यावरण एवं अन्य जीव-जंतुओं की रक्षा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए पृथ्वी है तभी हम सब हैं। बताया कि पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है चूंकि इस दिन स्कूल की छुट्टी नहीं होती है और यह शैक्षणिक संस्थानों के लिए छात्रों को मजेदार, सार्थक, पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों में शामिल होने का बेहतरीन अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे बताया कि यह गतिविधियां न केवल सीखने को बढ़ावा देती है बल्कि छात्रों को जिम्मेदार, पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक बनने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। मौके पर निशा कुमारी, संजना कुमारी, रोशनी कुमारी, शीतल कुमारी, प्रीति कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू कुमारी, सिंकू कुमारी, कोमल कुमारी, राधा कुमारी, सचिन कुमार, अंकित कुमार, शिवम कुमार आदि छात्र- छात्राएं मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अमृत काल की अनुपम सौगात : अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। जो आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं।

अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिज़ाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है।

पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है।

तकनीक से बढ़ी सुरक्षा

अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और श्वक्कअसिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।हर स्थिति में आरामदायक यात्रा अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक काउपलर का उपयोग किया गया है। ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का सारथी बनाती है। 2.0 ट्रेन को %सबका साथ, सबका विकास% की भावना के साथ अपडेट किया गया है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं। साथ ही, रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, 160च्यह्ल एयर स्प्रिंग बोगी जैसी सुविधा यात्रा को और भी आरामदायक बनाती है। प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और एरोसोल-आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं, जो स्वच्छता व सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। हर यात्री के लिए फास्ट मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, पेन्ट्री कार और बेहतर और आरामदायक सीट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय भी प्रदान किए गए हैं, ताकि सभी यात्रियों को समान सुविधा मिल सके

शिक्षकों से ममता बनर्जी की अपील, काम पर लौटें, दागी और बेदाग लोगों की सूची सरकार पर छोड़ दें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रदर्शनकारी शिक्षकों से अपनी ड्यूटी पर लौटने की अपील की और वादा किया कि उनकी सरकार उनके वेतन की सुरक्षा करेगी। उनके आश्वासन के बावजूद, हजारों शिक्षक जिनकी नियुक्तियाँ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले द्वारा रद्द कर दी गई थीं - साल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (WBSSC) कार्यालय के बाहर डेरा डाले हुए हैं और अपना रात भर का विरोध प्रदर्शन जारी रखा है। ममता बनर्जी के हवाले से बताया कि आपको इस बात की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है कि कौन दागी है और कौन नहीं। आपको बस इस बात की चिंता करने की ज़रूरत है कि आपके पास नौकरी है या नहीं और क्या आपको समय पर वेतन मिल रहा है। दागी और बेदाग शिक्षकों की पहचान करने वाली सूची सरकार और अदालतों के पास है। बनर्जी ने कहा, ÷हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि आपकी नौकरियाँ अभी सुरक्षित हैं और आपको वेतन मिलेगा। कृपया अपने स्कूल वापस जाएँ और कक्षाएँ फिर से शुरू करें। मैंने कल रात से इस बारे में कई बार बात की है। हम आपके साथ हैं।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारी, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है, के लिए एक समीक्षा याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में दायर की जाएगी और ÷तब तक हम पर अपना विश्वास बनाए रखें÷। बनर्जी ने कहा कि वह मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद के अशांत क्षेत्रों का दौरा करेंगी। शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया और पूरी चयन प्रक्रिया को ''दोषपूर्ण और अनुचित'' बताया। न्यायालय के इस आदेश के परिणामस्वरूप अपनी नौकरी खोने वाले 2,000 से अधिक शिक्षकों ने सोमवार शाम को सॉल्ट लेक में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया।

पहलगाम आतंकी हमला : आज रात ही सऊदी अरब से भारत लौट रहे हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर पीएम मोदी ने नजर बनाई हुई है। पीएम मोदी सऊदी अरब के दौरे को स्थगित कर वापस भारत लौट रहे हैं। इस बात की जानकारी भारत सरकार के सूत्रों ने दी है। सूत्रों के अनुसार, कश्मीर में आतंकवादी हमले के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब द्वारा आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में भाग नहीं लिया है और वह आज रात भारत के लिए रवाना होंगे। पीएम मोदी का इससे पहले कल रात को लौटने का कार्यक्रम था, लेकिन अब वह बुधवार सुबह भारत पहुंच जाएंगे।

स्पेशल ट्रेन का परिचालन

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में और धनबाद और लोकमान्य तिलक के मध्य 02 जोड़ी तथा बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरणाकुलम के मध्य एक-एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

1. गाड़ी संख्या 03327/03328 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोकारो-लातेहार-डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते):

2. गाड़ी संख्या 03379/03380 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल (बोकारो-लातेहार-डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते)ः गाड़ी संख्या 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरूवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03380 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 24 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को लोकमान्य तिलक से 10.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 22.30 बजे धनबाद पहुंचेगी।

3. गाड़ी संख्या 06055/06056 पोत्तनूर-बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल (किउल-झाझा-चितरंजन- धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाडी के रास्ते)ः गाड़ी संख्या 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी।

4. गाड़ी संख्या 06085/06086 एरणाकुलम-पटना-एरणाकुलम स्पेशल (मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते): गाड़ी संख्या 06085 एरणाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को एरणाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 06086 पटना-एरणाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को पटना से 23.45 बजे खुलकर गुरूवार को 10.30 बजे एरणाकुलम पहुंचेगी।

मेरी की तीसरी इंट्रा कॉलेज मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दूसरे दिन छात्रों ने दी मजबूत दलीलें

● सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा निर्णीत फाइनल में एलएलबी 3-वर्षीय कोर्स की टीम ने मारी बाज़ी, सटीक तर्क और आत्मविश्वास ने दिलाई जीत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मेरी प्रोफेशनल और लॉ इंस्टीट्यूट में आयोजित तीसरी इंट्रा कॉलेज मूट कोर्ट प्रतियोगिता का दूसरा दिन पूरी तरह से उत्साह और कानूनी बहस से भरा रहा, जहां छात्रों ने सेमी-फाइनल और फाइनल राउंड में अपनी मेहनत और तैयारी का बखूबी प्रदर्शन किया।38 टीमों में से केवल छह टीमों ने सेमी-फाइनल में जगह बनाई। इन टीमों ने प्रीलिम्स में अच्छे तर्क, कानूनी समझ और सही जवाब देने की क्षमता और कोर्ट रूम में अपने व्यवहार और सोच से से जजों को प्रभावित किया। सेमी-फाइनल में जज के रूप में डॉ. आकसा सिकंदर, एडवोकेट विवेक शोकीन (अधिग्रहण सचिव, रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन) और एडवोकेट कर्तिकेय मट्टा ने छात्र-टीमों के तर्क, कानूनी समझ और सवालों का उत्तर देने की क्षमता का ध्यानपूर्वक मूल्यांकन किया। उन्होंने छात्रों की तैयारी और धैर्य की सराहना की।दो राउंड की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, एलएलबी 3-वर्षीय कोर्स की दो टीमों ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल राउंड में सुप्रीम कोर्ट के पैनल से आनंद मिश्रा (एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड), एडवोकेट विशाल खट्टर और एडवोकेट वंदिता नैन ने जज के रूप में मूल्यांकन किया, उन्होंने ने छात्रों से गहरे और स्पष्ट तर्क की उम्मीद की और उन्हें दबाव में अपनी स्थिति को मजबूत तरीके से रखने की चुनौती दी। एलएलबी 3-वर्षीय टीम ने प्रतियोगिता जीत ली और उन्हें उनके अच्छे शोध, कोर्ट रूम में आत्मविश्वास और तेज सोच के लिए सराहा गया।

प्रोफेसर (डॉ.) ललित अग्रवाल, एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष, ने इस आयोजन का मार्गदर्शन किया। उनका मानना है कि छात्रों को वास्तविक कानूनी दुनिया के लिए पूरी तरह से तैयार किया जाना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रोफेसर (डॉ.) रामकांत द्विवेदी (हेड, एमईआरआई सीआईएस) और प्रोफेसर (डॉ.) राकेश खुराना (सलाहकार, एमईआरआई ग्रुप) ने छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें अवगत कराया कि कानून हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और अच्छे वकीलों को किताबों से बाहर सोचने की जरूरत होती है। दिन के अंत में, छात्र केवल पुरस्कारों के साथ नहीं लौटे, बल्कि मजबूत दलीलों, तेज दिमागों और उस पेशे के प्रति गहरी लगन के साथ लौटे, जिसके लिए वे तैयारी कर रहे हैं।

संकट मोचन हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना एवं तीन दिवसीय श्री राम महायक को लेकर सभी तैयारी पूर्ण

आदिवासी एक्सप्रेस

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

फुल्लीडुमर प्रखंड के भीतिया पंचायत अंतर्गत अंगराजोर गांव में समाजसेवी मिथिलेश प्रसाद सिंह पिता चंदेश्वरी सिंह ग्राम अंगराजोर द्वारा अपने निजी सहयोग से संकट मोचन हनुमान जी का भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। वहीं इसकी जानकारी देते हुए मंदिर निर्माणकर्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि संकट मोचन हनुमान जी का भव्य प्रतिमा नव निर्मित मंदिर में स्थापित करने को लेकर बुधवार से मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय श्री राम महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर मंदिर के रंग रोगन से लेकर सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। आगे उन्होंने बताया कि बुधवार 23 अप्रैल 2025 की सुबह लगभग 6 बजे ग्राम वासियों के सहयोग से धार्मिक कार्य के अनुष्ठान को लेकर भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें राम दरबार की भव्य झांकी, गाजे बाजे एवं घोड़े के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। वहीं इस धार्मिक कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लेकर वार्ड सदस्य रणधीर प्रसाद सिंह, सेकेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह, समाजसेवी सत्यम कुमार उर्फ गोलू जी, हरीश यादव, उप मुखिया राजेश राय सहित अन्य ग्राम वासियों द्वारा सक्रिय सहयोग किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुधवार से शुरू हो रहे इस श्री राम महायज्ञ का शुक्रवार की देर रात हवन पूजन के साथ समापन किया जाएगा। कलश शोभायात्रा की पूर्व संध्या मंगलवार को दर्जनों श्रद्धालु भक्तजनों द्वारा भगवा झंडा लेकर कई गांव का नगर परिभ्रमण किया गया।

दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने बीजेपी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानाथी श्रीनिवासन का स्वागत किया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बीजेपी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानाथी श्रीनिवासन ने आज दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति (डीएसपीसी) के कार्यालय का दौरा किया, जहां उनका स्वागत डीएसपीसी की अध्यक्ष पारुल सिंह ने किया। इस मौके पर दोनों ने विकलांग खिलाड़ियों का समर्थन और खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने पर चर्चा की। श्रीनिवासन ने विकलांग खिलाड़ियों के लिए अपने समर्थन को व्यक्त करते हुए कहा कि यहां आकर और डीएसपीसी टीम से मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जो काम वे कर रहे हैं, वह विकलांग खिलाड़ियों के लिए बहुत जरूरी है। इससे उन्हें पहचान और अवसर मिलते हैं और मैं उनके काम का समर्थन करती हूँ। पारुल सिंह ने इस दौरे के महत्व के बारे में कहा कि मैं वानाथी श्रीनिवासन की आभारी हूं, उनका समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है। यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मिलकर काम करते हैं, तो हम विकलांग खिलाड़ियों के लिए एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं, जहां उन्हें खेलों में सफलता पाने के समान मौके मिलें। दोनों के बीच मुलाकात ने विकलांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और सफलता प्राप्त करने के समान अवसर सुनिश्चित करने के साझा दृष्टिकोण को उजागर किया।

पहलगाम हमले के विरोध में जम्मू-कश्मीर बंद का आह्वान, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा- सभी लोग हों शामिल

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद चैंबर एंड बार एसोसिएशन ने बुधवार को पूर्ण बंद का आह्वान किया है। इस बंद को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भी समर्थन दिया है। पार्टी ने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने एक्स पर लिखा, पार्टी अध्यक्ष के निर्देश पर जेकेएनसी ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए बंद के सामूहिक आह्वान में शामिल होने का निर्णय लिया है। हम जम्मू-कश्मीर के लोगों से अपील करते हैं कि धार्मिक और सामाजिक नेताओं की तरफ से बुलाए गए हड़ताल को पूरी तरह सफल बनाएं। इससे पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने घटना की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए पूर्ण बंद का समर्थन का ऐलान किया था। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा, चैंबर एंड बार एसोसिएशन जम्मू ने पर्यटकों पर हुए इस भयानक आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को पूर्ण बंद का आह्वान किया है। मैं सभी कश्मीरियों से अपील करती हूं कि वे पहलगाम में हुए इस क्रूर हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में इस बंद का समर्थन करें। यह हमला सिर्फ कुछ चुनिंदा लोगों पर नहीं, बल्कि हम सभी पर है। हम दुख और आक्रोश में एकजुट हैं और इस नरसंहार की निंदा करने के लिए बंद का पुरजोर समर्थन करते हैं। वहीं, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बयान जारी कर पहलगाम हमले पर दुख जताया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में निर्दोष पर्यटकों पर हुए नृशंस आतंकवादी हमले के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं।

असम-अरुणाचल वन कर्मचारी भारत के वानर के संरक्षण के लिए प्रशिक्षण

पंकज नाथ,

आदिवासी एक्सप्रेस, असम

भारत की एकमात्र वानर प्रजाति हूलॉक गिब्बन के संरक्षण के उद्देश्य से सात दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यशाला, असम के होलोंगापार गिब्बन अभयारण्य में गिब्बन संरक्षण केंद्र में आयोजित की गई थी। असम वन विभाग के जोरहाट वन प्रभाग के सहयोग से जैव विविधता संरक्षण समूह आरण्यक द्वारा आयोजित, कार्यक्रम असम और अरुणाचल प्रदेश के फ्रंटलाइन वन कर्मचारियों को गिब्बन संरक्षण के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने पर केंद्रित था। द हैबिटैट्स ट्रस्ट, ढ्डष्टह्न स्स्ष्ट प्राइमेट स्पेशलिस्ट ग्रुप और स्मॉल एप्स के ढ्डष्टह्न प्राइमेट सेक्शन द्वारा समर्थित, कार्यशाला में असम से 18 और अरुणाचल प्रदेश से छह, कुल 24 प्रतिभागियों की मेजबानी किया है । इनमें नौ पुरुषों और 15 महिलाओं सहित उपस्थित लोगों ने अरुणाचल प्रदेश में नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान और असम में नौ वन प्रभागों सहित विभिन्न वन प्रभागों का प्रतिनिधित्व किया। वरिष्ठ प्राइमेटोलॉजिस्ट और आरण्यक के प्राइमेट रिसर्च एंड कंजर्वेशन डिवीजन के प्रमुख डॉ. दिलीप छेत्री ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे बैच का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, डॉ. छेत्री ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षुओं के बीच सक्रिय भागीदारी और ज्ञान-साझाकरण को प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विविध प्रकार के विषयों को शामिल किया गया, जिसमें हूलॉक गिब्बन, निवास स्थान विखंडन, जैव विविधता, वन्यजीव कानून, अपराध जांच और जीपीएस उपयोग और जनसंख्या अनुमान जैसी उन्नत क्षेत्र तकनीकों पर ध्यान देने के साथ प्राइमेट पारिस्थितिकी शामिल है। सत्रों में सर्पदंश जागरूकता और वन्यजीव बचाव जैसे व्यावहारिक कौशल भी शामिल थे। आरण्यक और असम कृषि विश्वविद्यालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मेघालय विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों ने सत्रों का नेतृत्व किया। प्रतिभागियों ने अभयारण्य के भीतर क्षेत्र के दौरे में भी लगे हुए हैं, हाथों पर अनुभव के साथ कक्षा के व्याख्यान को पूरक किया है।

बीच बाजार में तेज गति बाइक सवार ने मारी टक्कर, दो व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी

आदिवासी एक्सप्रेस,

फुल्लीडुमर बांका

मंगलवार 22 अप्रैल 2025 को दिन के लगभग 10:30 बजे फुल्लीडुमर थाना क्षेत्र के फुल्लीडुमर बीच बाजार में दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना सुन आसपास के सैकड़ो ग्रामीणों की भीड़ घायल व्यक्ति को देखने घटनास्थल पर जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस बाइक दुर्घटना में फुल्लीडुमर प्रखंड के राता पंचायत अंतर्गत बदलाचक गांव के निवासी विपीन कापरी का 13 वर्षीय पुत्र अभिजीत कुमार सर फटने से बुरी तरह जख्मी होकर लहूलुहान हो गए। जबकि बदलाचक गांव के ही उसका चचेरा भाई निकेश कुमार भी चोट लगने से जख्मी हो गए। वहीं ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से घायल 13 वर्षीय किशोर अभिजीत कुमार को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुल्लीडुमर में भर्ती कराया गया। जहां अस्पताल के डॉक्टर नवीन कुमार एवं डॉक्टर प्रीति सिंह के द्वारा जख्मी का प्राथमिक उपचार कर जख्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए फौरन बेहतर इलाज हेतु जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही फुल्लीडुमर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार, एस आई शरद श्रीकांत, वीरेंद्र श्रीवास्तव दलबल के साथ अस्पताल पहुंचे एवं घायल के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं मौके पर घायल अभिजीत की मां अस्पताल में दहाड़ मारकर रो रही थी। वहीं ग्रामीणों में सड़क अतिक्रमण के कारण सड़क दुर्घटना में हो रही बेतहाशा वृद्धि की चर्चा करते देखा जा रहा है। लेकिन कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

शुभमन-अभिषेक जब बल्लेबाजी करते हैं तो मैं घबरा जाता हूं : युवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने पंजाब के युवा बल्लेबाजों शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के प्रति अपनी खास भावनाएं जाहिर कीं। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले ये दोनों खिलाड़ी युवराज के करीबी हैं, जिन्हें उन्होंने अपने मार्गदर्शन में तैयार किया है। दोनों खिलाड़ी अक्सर अपने करियर में युवराज के योगदान की सराहना करते हैं। हाल ही में अपनी मां शबनम सिंह के साथ एक साक्षात्कार में युवराज ने खुलासा किया कि जब शुभमन और अभिषेक बल्लेबाजी करते हैं, तो वह घबरा जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब अभिषेक और शुभमन बल्लेबाजी करते हैं, तो मैं नर्वस हो जाता हूं। युवराज की मां शबनम सिंह ने बताया कि 43 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर एक मेंटर के रूप में काफी सख्त हैं, जिसके चलते कई क्रिकेटर उनसे डरते हैं। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी युवी से डरते हैं। मैच के बाद जब युवी उन्हें फोन करके पूछते हैं, %तुमने वो कौन सा शॉट खेला? तो वे घबरा जाते हैं।÷ शबनम ने यह भी बताया कि युवराज हमेशा खिलाड़ियों की तकनीकी खामियों को सुधारने के लिए उनकी मदद करते हैं और उनकी प्रगति की प्रशंसा भी करते हैं। युवराज ने हमेशा युवा क्रिकेटरों का समर्थन किया है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके प्रदर्शन की तारीफ की है। वह शुभमन और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों को तकनीकी सलाह देकर उनकी मदद करते रहते हैं।

डॉ. फारूक का युवाओं से खेल और शिक्षा को अपनाने तथा नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से दूर रहने का आग्रह

जम्मू। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आज जम्मू के एमएएम स्टेडियम में शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट 'नशे को नकारें' थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक और स्वस्थ गतिविधियों की ओर मोड़ना है। जम्मू-कश्मीर यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष तेजिंदर पाल सिंह द्वारा आयोजित यह क्रिकेट टूर्नामेंट क्षेत्र के युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। आज के उद्घाटन मैच में माजिद 313 ने त्रिकुटा क्रिकेट क्लब के साथ 20 ओवरों का रोमांचक मुकाबला खेला जो एक सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट की शुरुआत थी जिसका समापन 26 अप्रैल को होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने खिलाड़ियों से बातचीत की और खेल के प्रति उनके उत्साह और भावना की सराहना की। उन्होंने युवा प्रतिभागियों को खेल और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और युवा पीढ़ी को तेजी से प्रभावित करने वाले नशे की लत से बचने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. अब्दुल्ला ने नशा विरोधी अभियान के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए तेजिंदर पाल सिंह अमन के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्हें खुद को आईने में देखना होगा: रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी

मैड्रिड । ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है।

दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले- आज बहुत खुश हूं

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं। लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे।

लॉरियस अवॉर्ड्स 2025 : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए डुप्लांटिस और सिमोन बाइल्स

एजेंसी

नई दिल्ली। मैड्रिड में आयोजित हुए 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स में खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में स्वीडन के पोल वॉल्ट खिलाड़ी आर्मंड डुप्लांटिस और अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने क्रमशः वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरूष और महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। डबल ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्डधारी आर्मंड डुप्लांटिस को साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चांद को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया। एथलेटिक्स में यह पुरस्कार पाने वाले वह यूसेन बोल्ट के बाद दूसरे खिलाड़ी बने। अमेरिका की प्रसिद्ध

जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त की। बाइल्स ने यह पुरस्कार चौथी बार जीतकर सेरेना विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने कहा, 2017 में मैंने यह पुरस्कार पहली बार जीता था और तब से लॉरियस मेरी कहानी का हिस्सा रहा है। हो सकता है, कोई छोटी बच्ची मुझे टीवी पर देखकर यह सोच ले कि वह भी यह कर सकती है।

राफेल नडाल को मिला खेल आइकन सम्मान

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को उनके शानदार करियर के लिए खेल आइकन सम्मान से नवाजा गया। नडाल ने पिछले वर्ष नवंबर में 38 वर्ष की उम्र में टेनिस से संन्यास लिया था। मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह ने लॉरियस अवॉर्ड्स की 25वीं वर्षगांठ को बेहद खास बना दिया। दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों को एक मंच पर देखना खेल प्रेमियों के लिए भी अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अन्य पुरस्कार विजेता

साल की सर्वश्रेष्ठ टीम : रियल मैड्रिड (15वीं बार चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने पर)

साल का सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी : लामिन यमाल (17 वर्ष की उम्र में स्पेन को यूरो 2024 जिताने वाले खिलाड़ी)

साल की शानदार वापसी : रेबेका आंद्राडे (पेरिस ओलंपिक में फ्लोर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर)

विकलांग वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : जियांग युयेन

सर्वश्रेष्ठ एक्शन खेल खिलाड़ी : टॉम पिडकॉक

खेल के माध्यम से समाज सेवा सम्मान : किक फॉर लाइफ

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : केली स्लेटर (सर्फिंग में शानदार करियर के लिए)

आईपीएल 2025 : संजू सैमसन आरसीबी के खिलाफ मैच से बाहर, रियान पराग संभालेंगे कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन चोट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

राजस्थान फ्रेंचाइज़ी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। राजस्थान रॉयल्स ने बयान जारी कर बताया, संजू सैमसन फिलहाल रिकवरी प्रोसेस से गुजर रहे हैं और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ होम बेस पर ही रहेंगे। वह बैंगलोर नहीं जाएंगे। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान संजू को पेट के हिस्से में हल्का दर्द महसूस हुआ था, जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। इसके चलते वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछला मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे। संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में रियान पराग एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे।

सीजन के शुरुआती तीन मुकाबलों में भी जब संजू सैमसन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे (दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर और सर्जरी के चलते), तब रियान ने ही कप्तानी की जिम्मेदारी निभाई थी। आईपीएल 2025 में संजू सैमसन ने अब तक 7 मुकाबलों में 224 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.33 का रहा है और स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का है। इस दौरान वह एक अर्धशतक भी लगा चुके हैं। उनकी फॉर्म टीम के लिए अहम रही है, लेकिन अब चोट के चलते उनके बाहर होने से टीम को बड़ा नुकसान हो सकता है।

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास'

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार

मैच के बाद रहाणे ने कहा, 'मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके।

उन्होंने आगे कहा, जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है।

ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़ खो चुके हैं आत्मविश्वास

टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है। ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। ÷काम सलामी बल्लेबाज़ों और ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं। केकेआर के लिए सलामी जोड़ी सबसे बड़ी परेशानी रही है। इस सत्र में टीम की सलामी साझेदारी का औसत महज़ 19.00 रहा है।

राजौरी में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

राजौरी। पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की श्रृंखला में राजौरी के बागनसाल में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य पहलवानों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

इस आयोजन में 69 पहलवानों ने भाग लिया। सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्साह, समर्थन और खेल भावना ने प्रतियोगिता के उत्साह और ऊर्जा को और बढ़ा दिया। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और पदक वितरित किए गए। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं को बधाई दी और प्रतिभागियों की उनके कौशल और खेल भावना के प्रदर्शन की प्रशंसा की। यह उन पहलों की श्रृंखला का हिस्सा है जिसके माध्यम से भारतीय सेना युवाओं को सकारात्मक रूप से जोड़ने के लिए आगे आ रही है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी ऊर्जा को रचनात्मक तरीके से लगाने के लिए प्रोत्साहित करके एक सकारात्मक दृष्टिकोण बना रही है।

सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में खेले गए महिलाओं के मुकाबलों में भोजपुरी लेपर्डेस और तमिल लायनेस ने दमदार जीत दर्ज की। वहीं तेलुगु चीता और पंजाबी टाइग्रेस के बीच का मैच बेहद रोमांचक रहा और 38-38 की बराबरी पर खत्म हुआ।

ये मुकाबले गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्पज हॉल में खेले गए। जीआई-पीकेएल की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी और यह लीग 13 दिनों तक चलेगी, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहले मुकाबले में भोजपुरी लेपर्डेस ने हरियाणवी ईगल्स को 37-26 से हराया। लेपर्डेस ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। टीम ने 19 रेड

प्वाइंट्स, 13 टैकल प्वाइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ 11 अंकों की शानदार जीत दर्ज की। हरियाणवी ईगल्स 17 रेड और 6 टैकल प्वाइंट्स ही जुटा सकी। भोजपुरी टीम की ओर से सिंधुजा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 में से 6 रेड सफलतापूर्वक कीं और कुल 7 रेड प्वाइंट्स (4 टच + 3 बोनस) हासिल किए। दूसरे मुकाबले में तमिल लायनेस ने मराठी फाल्कन्स को एकतरफा अंदाज़ में 44-23 से पराजित किया। तमिल टीम ने 24 रेड प्वाइंट्स जुटाए और तीन बार ऑल-आउट कर बढ़त को और मजबूत किया।

मराठी फाल्कन्स का डिफेंस कमजोर साबित हुआ, और वे वापसी नहीं कर सकीं। तमिल लायनेस की कप्तान रचना विलास ने मैच का रुख तय कर दिया। उन्होंने 12 में से 11 रेड में सफलता पाई और कुल 15 रेड प्वाइंट्स (जिसमें एक सुपर रेड भी शामिल है) और 1 टैकल प्वाइंट के साथ 16 अंकों का शानदार योगदान दिया।

'वह स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैं : साई किशोर केकेआर पर जीत के बाद शुभमन गिल की तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (A+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।

ए-प्लस ग्रेड में वही चार दिग्गज

बीसीसीआई ने ए-प्लस (+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

श्रेयस अय्यर की वापसी, ईशान किशन सी ग्रेड में

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर की इस बार बी (B) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (C) श्रेणी में रखा गया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है। वहीं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविचंद्रन अश्विन का नाम इस सूची में नहीं है।

आईएसएसएफ विश्व कप में सिमरनप्रीत कौर ने जीता रजत पदक

एजेंसी

लीमा। सिमरनप्रीत कौर बरार ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला पेरू की राजधानी लीमा के लास पाल्मस शूटिंग रेंज में हुआ। भारतीय निशानेबाज़ सिमरनप्रीत ने फाइनल के 10 रैपिड-फायर शॉट्स की श्रृंखला में कुल 33 सटीक निशाने लगाए। वह चीन की सन यूजिए से सिर्फ एक अंक पीछे रहीं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सन की हमवतन याओ कियानशुन ने 29 अंक लेकर कांस्य पदक पर कब्ज़ा किया।

इससे पहले दिन में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व विजेता एशा सिंह और सिमरनप्रीत – तीनों भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफाइंग में मनु भाकर ने 585 अंकों के साथ दूसरा,

सिमरनप्रीत ने 580 अंकों के साथ पांचवां और एशा सिंह ने 575 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया। एशा इससे पहले अर्जेंटीना विश्व कप में इस स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं। तीन चीनी निशानेबाज़ों ने भी फाइनल में जगह बनाई, इसके अलावा जर्मनी की डोरीन वेनकैंप और कई बार की महाद्वीपीय चैम्पियन एंड्रिया पेरेज पेना भी अंतिम दौर में पहुँचीं। फाइनल मुकाबले की पहली श्रृंखला में चीनी खिलाड़ियों ने 1-2-3 पोजिशन पर कब्ज़ा कर लिया, जबकि भारतीय निशानेबाज़ दूसरी श्रृंखला से लय में आती नज़र आईं। सिमरनप्रीत ने दूसरी श्रृंखला में 4 अंक, एशा ने तीसरी श्रृंखला में 5 अंक बनाए।

छठी श्रृंखला के बाद मनु और सिमरनप्रीत ने 5-5 अंक अर्जित किए, जबकि एशा ने 4 अंक बनाए। इसके बाद मनु, एशा और डोरीन के बीच पहला शूट-ऑफ हुआ, जिसमें एशा बाहर हो गई। अगले शूट-ऑफ में मनु ने डोरीन को हराकर उन्हें पांचवें स्थान पर धकेल दिया। इस समय तक सिमरनप्रीत 23 अंकों के साथ सन (25 अंक) और याओ (22 अंक) के बीच आ चुकी थीं।

अगली श्रृंखला में मनु की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया और मुकाबले के अंत तक शीर्ष तीन खिलाड़ियों के बीच एक-एक अंक का फासला कायम रहा। यह भारत का इस प्रतियोगिता में चौथा रजत पदक था। इसके अलावा भारत को अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी मिल चुका है।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सीरी ए के मुकाबले स्थगित

नई दिल्ली। कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के बाद इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सीरी ए ने होने वाले सभी मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। वेटिकन ने वीडियो बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें डबल न्यूमोनिया की गंभीर समस्या भी हुई थी। पोप फ्रांसिस न सिर्फ दुनिया भर के कैथोलिक समुदाय के आध्यात्मिक प्रमुख थे, बल्कि फुटबॉल के भी बड़े प्रशंसक माने जाते थे। अर्जेंटीना में जन्मे पोप फ्रांसिस जीवनभर फुटबॉल से जुड़े रहे।लीग ने बयान जारी कर कहा, पोप फ्रांसिस के निधन के बाद आज (सोमवार) होने वाले सभी सीरी ए और प्राइमा वेरा 1 के मैच स्थगित किए जाते हैं। स्थगित मैचों की नई तारीखों का ऐलान जल्द किया जाएगा।

राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

एजेंसी

राजौरी। युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने समोटे में केसरी हिल पर स्थानीय युवाओं के लिए चार दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के युवा लड़कों को खेलों में भाग लेने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए प्रेरित करना था। टूर्नामेंट में आस-पास के गांवों के युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों ने हाई वोल्टेज मैचों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन को स्थानीय समुदाय से भरपूर समर्थन मिला।

सभी प्रतिभागी टीमों को उनके उत्साही प्रदर्शन के लिए सराहा गया और खिलाड़ियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कुल 127 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया जिससे यह एक यादगार और सफल आयोजन बन गया। इस तरह की सकारात्मक भागीदारी युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाती है, प्रतिस्पर्धी कौशल को बढ़ावा देती है और उन्हें राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों के जाल में फंसने से रोकती है। क्षेत्र के युवाओं और

स्थानीय लोगों ने केसरी हिल पर युवाओं के लिए वॉलीबॉल मैच आयोजित करने और प्रभावी युवा सहभागिता की दिशा में इस नेक पहल के लिए भारतीय सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

विस्डन वार्षिक स्मारिका में भारत का जलवा,जसप्रीत बुमराह बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित विस्डन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना ने भी इतिहास रचते हुए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का सम्मान हासिल किया। इस बार इन सम्मानों में भारतीय क्रिकेट का शानदार दबदबा रहा।

बुमराह ने रचा अनोखा कीर्तिमान, बने 'वर्ष के सितारे'

साल 2024 में जसप्रीत बुमराह ने अपनी धारदार गेंदबाज़ी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट 20 से कम की औसत से लेने वाले पहले गेंदबाज़ बनकर नया इतिहास रच दिया। विस्डन के संपादक लॉरेंस बूथ ने उन्हें वर्ष का सबसे बड़ा सितारा बताते हुए कहा कि बुमराह इतने खतरनाक और अनूठे गेंदबाज़ रहे कि उनके खिलाफ बनाए गए रन दोगुने माने जाने चाहिए थे। बुमराह ने इस दौरान 71 टेस्ट विकेट 15 की औसत से चटकाए और टी20 विश्व कप 2024 में भारत को चैंपियन भी बनाया।

स्मृति मंधाना का ऐतिहासिक प्रदर्शन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा 1659 रन बनाए। इस

दौरान उन्होंने 4 एकदिवसीय शतक जड़े, जो किसी भी महिला क्रिकेटर के लिए एक वर्ष में नया कीर्तिमान है। इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 149 रनों की शानदार पारी खेलते हुए भारत को 10 विकेट से जीत दिलाई।

निकोलस पूरन बने विश्व के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ी

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज़ निकोलस पूरन को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर घोषित किया गया।

'पांच क्रिकेटर ऑफ द ईयर' में सर्रे का दबदबा

इस बार विस्डन के 'वर्ष के पाँच क्रिकेटर' में सर्रे काउंटी के तीन खिलाड़ियों – गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल – को शामिल किया गया। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डॉसन और इंग्लैंड महिला टीम की सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाज़ा गया।

न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सम्मान

भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में मिचेल सैंटनर की 13 विकेट की धमाकेदार गेंदबाज़ी ने न्यूजीलैंड को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई और भारत की 2012 के बाद पहली घरेलू टेस्ट श्रृंखला हार का कारण बनी। इसके लिए सैंटनर को विस्डन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

अब किसी भी उम्र के नाबालिगों का खुल सकेगा बैंक खाता : आरबीआई

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज कहा कि अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बैंक में बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। आरबीआई ने सभी वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंकों को जारी अधिसूचना में नाबालिगों के लिए जमा खाता खोलने और संचालन से संबंधित नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आरबीआई ने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर इन्हें अधिक व्यावहारिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। साथ ही 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नाबालिग यदि सक्षम हों तो बैंक की जोखिम प्रबंधन नीति के तहत स्वतंत्र रूप से खाता खोलने और संचालित करने के पात्र होंगे। आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि वयस्क होने पर खाताधारक के नए परिचालन निर्देश और हस्ताक्षर नमूने प्राप्त किए जाएंगे और यदि खाता अभिभावक द्वारा संचालित किया गया हो, तो शेष राशि की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा बैंक अपनी आंतरिक नीतियों के अनुसार, नाबालिग खाताधारकों को एटीएम, डेबिट कार्ड, चेकबुक और इंटरनेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र होंगे। केंद्रीय बैंक ने यह भी निर्देश दिया है कि नाबालिगों के खाते हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहने चाहिए और उनमें ओवरड्राफ्ट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारतनेट परियोजना में 6.19 लाख गांवों तक पहुंचा 4जी मोबाइल कवरेज

नई दिल्ली। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारतनेट के साथ-साथ, मोबाइल सम्पर्क के विस्तार के अन्य कार्यक्रमों के अंतर्गत दिसंबर 2024 तक देश भर में लगभग 6,25,853 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध करा दी गयी थी जिसमें 6,18,968 गांवों में 4जी मोबाइल कवरेज पहुंच गया था। मंत्रालय ने भारत नेट के बारे में प्रश्नोत्तर के रूप में बताया कि इस कार्यक्रम से औसत मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और ये प्रयास डिजिटल अंतर पूरा करने में भारतनेट के पूरक हैं। डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने भारतनेट कार्यक्रम के तहत डिजिटल सेवाओं, डिजिटल गवर्नेंस तक पहुंच प्रदान कर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में संदर्भ डेटा साझा करना, डिजिटल सामग्री साझा करना, डिजिटल सेवाओं का एकीकरण, जागरूकता और क्षमता निर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और आईसीटी बुनियादी ढांचे को शामिल करना शामिल है।

बीएचईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि व रिकॉर्ड ऑर्डर किया हासिल

हरिद्वार। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) का राजस्व प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपये के ऑर्डर प्राप्त किए जो कि कंपनी द्वारा किसी वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया अब तक का सर्वाधिक ऑर्डर है। इसके साथ, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपये हो गई है।विद्युत क्षेत्र में, बीएचईएल ने 81,349 करोड़ रुपये के ऑर्डर प्राप्त कर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। औद्योगिक क्षेत्र में कंपनी ने 11,185 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त किए, जो परिवहन, रक्षा, प्रॉसेस इंडस्ट्रीज़ और औद्योगिक उपकरण जैसे विविध क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति को दर्शाता है। निष्पादन के मोर्चे पर, बीएचईएल ने 8.1 गीगावाट क्षमता के विद्युत संयंत्रों को कमीशन /सिंक्रोनाइज़ किया, जो परियोजना को पूरा करने और परिचालन दक्षता पर कंपनी के निरंतर फोकस को दर्शाता है।

खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 के खादी और ग्रामोद्योग आयोग का कारोबार स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार हो गया है। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खादी उत्पादन में 347 प्रतिशत के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गयी है और 1.94 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नयी दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंचा है। श्री कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन जहां 26109.07 करोड़ रुपये का था।

डीबीटी योजना से 3.48 लाख करोड़ रुपये की हुई बचत : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली ने कल्याण वितरण में लीकेज को रोककर देश को 3.48 लाख करोड़ रुपये की संचयी बचत हासिल करने में मदद की है। एक रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि डीबीटी के कार्यान्वयन के बाद से सब्सिडी आवंटन कुल सरकारी व्यय के 16 फीसदी से घटकर 9 फीसदी रह गया है, जो सार्वजनिक व्यय की दक्षता में एक बड़ा सुधार दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन के एक नए मात्रात्मक मूल्यांकन के अनुसार यह मूल्यांकन बजटीय दक्षता, सब्सिडी युक्तिकरण और सामाजिक परिणामों पर डीबीटी के प्रभाव की जांच करने के लिए वर्ष 2009 से 2024 तक के आंकड़ों का मूल्यांकन करता है। वर्ष 2013

में शुरू की गई भारत की डीबीटी प्रणाली ने देश की कल्याणकारी योजनाओं को नया स्वरूप दिया है, जिसने दक्षता और समावेशिता के लिए वैश्विक मानक स्थापित किया है। मंत्रालय के मुताबिक यह दर्शाता है कि कागज-आधारित वितरण से सीधे डिजिटल हस्तांतरण में बदलाव ने यह सुनिश्चित किया है कि सार्वजनिक धन उन लोगों तक पहुंचे जिनके लिए वे हैं। डीबीटी की प्रमुख विशेषताओं में से एक जेएएम ट्रिनिटी का उपयोग है, जिसका अर्थ है जन-धन बैंक खाते, आधार विशिष्ट आईडी नंबर और मोबाइल फोन। इस ढांचे ने बड़े पैमाने पर लक्षित और पारदर्शी हस्तांतरण को सक्षम किया है। उल्लेखनीय है कि भारत में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली कल्याणकारी योजनाओं के लिए दक्षता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रणाली लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए आधार कार्ड और बैंक खातों का उपयोग करती है, जिससे बीच के लोगों को खत्म करके पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की। सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में 3.8 फीसदी पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में सुस्त पड़कर 3.8 फीसदी रही है। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 3.4 फीसदी के मुकाबले थोड़ी अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार यह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट का परिणाम है, जिनमें कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली उत्पादन में क्रमशः 1.6 फीसदी, 0.2 फीसदी, 7.1 फीसदी और 6.2 फीसदी की हल्की वृद्धि हुई। उर्वरक उत्पादन मार्च में 8.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.3 फीसदी की गिरावट आई थी। सीमेंट उत्पादन बीते महीने 11.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 10.6 फीसदी की

वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.4 फीसदी रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह दर 7.6 फीसदी थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में भार 40.27 फीसदी होता है, जो औद्योगिक वृद्धि दर को मापने में महत्वपूर्ण है। इन आठ उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल है।

सोने की कीमत में तूफानी तेजी, लखटकिया होने के करीब पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना आज मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम करते हुए 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। इस तरह सोना अब एक लाख रुपये के स्तर से सिर्फ 200 रुपये ही पीछे है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट में सेफ इनवेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग में आई तेजी की वजह से आने वाले दिनों में सोने की कीमत में और भी तेजी आ सकती है।इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार घरेलू बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव आज 99,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर कारोबार करता नजर आया। आईबीजेए के अनुसार साल 2025 में सोने में अभी तक करीब 26.4 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। 1 जनवरी, 2025 से लेकर अभी तक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 20,850 रुपये

प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण आने वाले दिनों में भी सोने की कीमत में और तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच जारी तनातनी तथा वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आ गई है। इसके साथ ही डॉलर के मूल्य में आई कमजोरी की वजह से भी निवेशकों में सोने के प्रति आकर्षण बढ़ा है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता की वजह से घरेलू बाजार के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी निवेशक सेफ इनवेस्टमेंट के रूप में सोने में पहले की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं, जिसकी वजह से सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है।

ईपीएफओ ने फरवरी महीने में 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े, युवाओं की संख्या अधिक

एजेंसी

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। पिछले साल की इसी महीने की तुलना में 3.99 फीसदी अधिक है। फरवरी, 2025 में जोड़े गए नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जिनमें उनकी हिस्सेदारी 4.27 लाख यानी 57.71 फीसदी है। इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। ईपीएफओ ने फरवरी, 2025 में लगभग 7.39 लाख नए सदस्य बनाए हैं, जबकि साल-दर-साल सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए।

विश्लेषण से पता चलता है कि फरवरी 2024 की तुलना में पेरोल में 3.99 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी, 2025 में 18-25 आयु वर्ग के कुल सदस्यों की संख्या में लगभग 6.78 लाख की वृद्धि हुई है, जो सालाना आधार पर 3.01 फीसदी अधिक है। आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 13.18 लाख

आंकड़े बताते हैं कि फरवरी, 2025 में लगभग 2.08 लाख महिला सदस्य पहली बार ईपीएफओ में शामिल हुईं। इसमें सालाना आधार पर 1.26 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी के दौरान कुल महिला पेरोल वृद्धि करीब 3.37 लाख रही, जो फरवरी 2024 की तुलना में 9.23 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि है। महिला सदस्यों की संख्या बढ़ने से अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है। आंकड़ों का राज्यवार विश्लेषण करने से पता चलता है कि शीर्ष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल पेरोल में करीब 59.75 फीसदी की वृद्धि की है, जिन्होंने महीने के दौरान कुल लगभग 9.62 लाख शुद्ध पेरोल जोड़े हैं। सभी राज्यों में से महाराष्ट्र फरवरी महीने के दौरान 20.90 प्रतिशत कुल पेरोल जोड़कर सबसे आगे है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने फरवरी के दौरान कुल पेरोल में 5 फीसदी से अधिक की वृद्धि की है।

एलआईसी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 7.05 फीसदी की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाकर 7.05 फीसदी कर ली है।

एलआईसी ने नियामकीय फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि जीवन बीमा कंपनी ने डेढ़ साल की अवधि के दौरान खुले बाजार से 10.45 करोड़ अतिरिक्त शेयर खरीदें हैं, जिससे बैंक ऑफ बड़ौदा में हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़ाकर 7.05 फीसदी हो गई है। इस तरह कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाई है। बीमा कंपनी ने जारी बयान में बताया कि 20 नवंबर, 2023 और 16 अप्रैल, 2025 के बीच किए गए अधिग्रहण के साथ मुंबई स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में एलआईसी की हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़कर 7.05 फीसदी पर पहुंच गई है।

हिस्सेदारी अधिग्रहण खुले बाजार में खरीद के जरिए किया गया। बॉम्?बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 3.09 फीसदी की बढ़त के साथ 250.20 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

आजादी के बाद पहली बार खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया कीर्तिमान रचा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 347 फीसदी के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने राजधानी नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी किये

हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों में बताया गया है कि 11 वर्षों में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है, जबकि 1.94 करोड़ लोगों को केवीआईसी रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नए रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि केवीआईसी के इस शानदार प्रदर्शन ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने और भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा योगदान दिया है। मनोज कुमार ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन में केवीआईसी की योजनाएं और उपलब्धियां 'विकसित भारत' की सशक्त आधारशिला बन गई हैं।

हमारा प्रयास भारत की समृद्ध विरासत से आज की पीढ़ी को जोड़ना है : डालमिया

एजेंसी

नई दिल्ली। डालमिया भारत लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पुनीत डालमिया ने आज कहा कि लालकिले के मॉन्युमेंट मित्र के तौर पर उनका प्रयास भारत की समृद्ध विरासत से आज की पीढ़ी को जोड़ने और उन कहानियों को नए अंदाज में पेश करना है। विश्व धरोहर दिवस पर मॉन्यूमेंट मित्र डालमिया भारत ने दिल्ली के ऐतिहासिक लालकिले में एक विशेष आयोजन किया। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसमें शामिल हुए लोगों को लालकिले के गौरवशाली इतिहास और खूबसूरत स्थापत्य कला से जुड़ी रोचक कहानियों के ज़रिए भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक शानदार अनुभव मिला।इस मौके पर श्री डालमिया ने कहा हम चाहते हैं कि आज के युवा भी अपने इतिहास

और उन किस्सों से जुड़ सकें, जो हमारे वजूद की जड़ हैं और हमें वह पहचान देते हैं, जिस पर हमें गर्व है। आज के वैश्विक दौर में भारत की अपनी एक विशेष पहचान है, जो हमारे मूल्यों, हमारी सफलता और हमारी जड़ों से जुड़ाव को दर्शाती है। हम चाहते हैं कि इन स्मारकों को सिर्फ इतिहास की निशानी न मानकर एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव का केंद्र के रूप में स्थापित किया जाए। और यह तभी मुमकिन है, जब सभी एक साथ मिलकर इस दिशा में कदम बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि मॉन्युमेंट मित्र डालमिया भारत, लाल किले को विश्वस्तरीय विरासत स्थल के तौर पर पहचान दिलाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। रेड फोर्ट विज़िटर सेंटर और 'जय हिंद' साउंड एंड लाइट शो इसी पहल का हिस्सा है। डालमिया भारत द्वारा किए जा रहे ये प्रयास बीते कल और आज को एक कड़ी से जोड़ते हैं, ताकि लोग हमारी ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ सकें, उसे महसूस कर सकें और गर्व के साथ आगे बढ़ा सकें।

इंडिया स्टील सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 24- 26 अप्रैल तक मुंबई में

मुंबई। इस्पात क्षेत्र की प्रमुख द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन 'इंडिया स्टील' का छठा संस्करण 24-26 अप्रैल तक मुंबई के 'बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र' में आयोजित किया जा रहा है। इस्पात मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और इसमें कई केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी जुड़ेंगे।विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस्पात मंत्रालय द्वारा आयोजित, इंडिया स्टील 2025 वैश्विक हितधारकों को विकास रणनीतियों, इस्पात उत्पादन में स्थिरता, बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच मजबूती और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की भूमिका जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी और इस्पात एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा भी शामिल होंगे। इस आयोजन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी शामिल होंगे।

लगातार 5वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें कारोबारी दिन सोमवार को भी जारी रहा। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में कुछ देर के लिए मामूली गिरावट का रुख भी बना। इस गिरावट के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बन गया। इस लिवाली के कारण सेंसेक्स आज 79 हजार अंक के स्तर को और निफ्टी 24 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी सेक्टर में आज लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.67 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 425.83 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 419.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,247 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,169 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 161 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,615 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,079 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 536 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 349.89 अंक की मजबूती के साथ 78,903.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में शुरू हुई बिकवाली के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक गिर कर 78,776.06 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब यह सूचकांक 1,081.85 अंक की तेजी के साथ 79,635.05 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 855.30 अंक की बढ़त के साथ 79,408.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

रूखे बालों में चमक लाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

जब हम अपने बालों को खोल कर ज्यादा धुल-मिटटी में जाते है तो ऐसे मे हमारे बाल रूखे और बेजान हो जाते है। ऐसे मे उनकी केयर करनी बहुत ही जरूरी होती है नही तो हमारे बोल टूट कर झड़ जाते है। कभी-कभी तो ज्यादा हेयर ड्रायर करने से, क्लोरीनेटर पानी से और स्टाइलिंग प्रोडक्ट भी हमारे बालों को बेजन बना देते हैं। ऐसे में रूखे बालों को कंघी करना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। कंघी बालों में फंसती है और बाल टूट जाते हैं। आज हम आपके सामने रूखे और बेजान बालों की देखभाल करने के लिए ऐसे ही कुछ घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनहे अपनाकर आप अपने बालों में चमक ला सकती है।

1. दूध रूखे बालों को मुलायम करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर रुई के फाहे से बालों की जड़ों और बालों में लगाएं और एक घंटे बाद सिर धो दें। 2. सीसम ऑइल
आप घर में सीसम ऑइल में नींबू का रस मिलाकर बालों और स्कैल्प पर आधा घंटा लगा कर रखें। बाद में गर्म पानी में एक टॉवेल को भिगो कर इसमें अपने बालो को लपेट लें और आधे घंटे बाद बालों को धो लें।

3. कद्दू बालों में चमच पाना चाहते है तो कद्दू के टुकड़ों को बॉयल कने के बाद ठंड़ा होने पर दही में मिलाकर 20 मिनट के लिए लगाएं।

4. कोका पाउडर दही में शहद, विनेगर, कोका पाउडर को मिला कर स्कैल्प और बालों में लगाएं

और कैप पहन लें। कुछ समय बाद में इनहे धो लें।

5. शुगर वाटर अगर आपके बाल झड रहें है तो पानी में एक चम्मच चीनी मिला कर बालों पर स्प्रे की तरह लगाएं। बाद में सूख जाने पर पनी से धो लें।

6. घी अगर आपके बालों में चमक नहीं है और रूखापन ज्यादा है तो देसी घी लगाएं। घी लगाने के कुछ समय बाद ही बालों को सैपू से धो लें।

7. ब्लैक टी ब्लैक टी बनाकर हफते में एक बार आधा घंटा लगा कर रखने से बालों में चमक आती है।

8.टी ट्री ऑयल टी ट्री ऑयल में शैंपू मिलाकर लगाने से बालों में चमक आती है क्योंकि इसमें एंटी फंगल और एंटी बेक्टेरिअल गुण होते है जो बालो को मजबार बनाए रखता है।

1 मिनट में चमकेगा चेहरा, बस अपनाएं ये बेस्ट तरीका !

लड़का हो या लड़की आजकल हर कोई गोरा और चमकदार चेहरा पाना चाहता है, जिस पर न तो पिंपल के दाग-धब्बे हो न ही झुर्रियां। वैसे तो जैसा हमारा खाना-पीना होगा, वैसे ही हमारे फेस और बालों की ग्रोथ होगी। अगर हमारा आहार पौष्टिक तत्वों से भरपूर नहीं है तो उसका असर हमारे चेहरे और बालों पर पड़ता है लेकिन खाने के साथ-साथ चेहरे और बालों की अलग से केयर करने की भी जरूरत होती है। इसके लिए आज के यंगस्टर्स महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अगर कास्मेटिक की बजाए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर है क्योंकि इनका न तो कोई साइड इफैक्ट होता है और न ही पैसे की बर्बादी होती है। उबले हुए चावल का पानी जिसे हम मांड कहते हैं, सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि यह पानी सेहत के साथ साथ स्किन के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। हफ्ते में एक बार इस घरेलू तरीके को अपना कर आप सौंदर्य सबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

स्किन के लिए चावल का पानी

चावल का पानी क्लींजर का काम करता है। चावल के पानी में प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। साथ ही त्वचा की रंगत में निखार आता है और दाग धब्बे, झुर्रिया दूर होती है। अगर आपके चेहरे की स्किन ढीली ढाली हो गई है तो चावल के पानी से कसावट और पोर्स टाइट होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप चावल को पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। आधे घंटे के बाद उसे गैस पर पकने दें। चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। फिर उस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही चेहरा धोएं और सूखे कपड़े से पोंछे। आपको तुरंत ही अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा। बालों के लिए

फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके बाल पतले या बेजान हैं तो चावलों के पानी से बालों को धोएं फिर शैम्पू और कंडीशनर करें लेकिन इन तरीकों को अपनाने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।